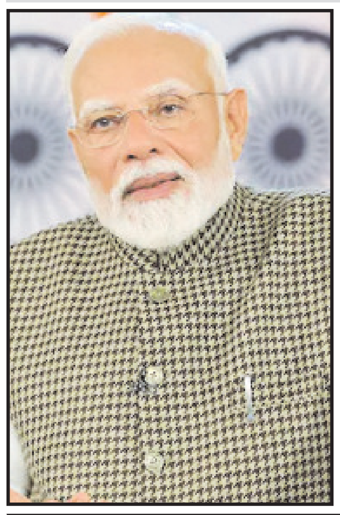

दैनिक
मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित
चम्बल सुर्खी
उत्कृष्ट एवं सफल प्रकाशन के 37 वर्ष
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का प्रवक्ता

आज का तापमान
अधिकतम 41 डिग्री
न्यूनतम 24 डिग्री

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर का पीएलए उग्रवादी गुवाहाटी में गिरफ्तार

गुवाहाटी,एजेंसी। गुवाहाटी पुलिस ने एक संयुक्त अभियान के तहत मणिपुर की प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। उस पर मणिपुर में कई उग्रवादी कार्रवाइयों में शामिल होने का संदेह है।गिरफ्तार किए गए उग्रवादी की पहचान मणिपुर के काकचिंग जिले निवासी 31 वर्षीय मयंगलंबम बॉबी सिंह के रूप में हुई है। वह गुवाहाटी के पलटन बाजार स्थित एक होटल में छिपा हुआ था। सूत्रों के अनुसार, वह इससे पहले बेहारबाड़ी के एक अन्य होटल में रुका हुआ था। इस कार्रवाई को बशिष्ठ पुलिस थाने द्वारा गजराज इंटेलिजेंस की सहायता से अंजाम दी गई।गुवाहाटी पुलिस के डीसीपी (ईस्ट) मृणाल डेका ने रविवार को बताया कि सिंह मणिपुर में हथियारबंद गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था। फिलहाल वह पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपित के अन्य उग्रवादियों से संबंधों की भी जांच की जा रही है। जांच के दौरान और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

ममता ने भाजपा पर लगाया पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप

कोलकाता, एजेंसी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य की हालिया घटनाओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि भाजपा पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश कर रही है।

मुख्यमंत्री ने यह आरोप एक खुले पत्र के माध्यम से लगाया, जिसमें उन्होंने राज्यवासियों को सतर्क रहने की अपील की। ममता ने लिखा, ÷भाजपा और उसके सहयोगी अचानक पश्चिम बंगाल में बेहद आक्रामक हो गए हैं। इनके सहयोगियों में आरएसएस भी शामिल है। ये लोग एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना की आड़ में जानबूझकर उकसावे की राजनीति कर रहे हैं।÷

ममता ने लिखा, हम सबको प्रेम करते हैं, मिलकर रहना चाहते हैं। हम दंगों की निंदा करते हैं और उसके सख्त खिलाफ हैं। ये लोग हमें बांटने की साजिश कर रहे हैं ताकि संकीर्ण राजनीतिक लाभ हासिल किया जा सके।

कांग्रेस नेताओं को झूठे मुकदमों में उलझाने की कोशिश : मल्लिकार्जुन

पटना, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया है कि कांग्रेस नेताओं को झूठे मुकदमे में उलझाने की कोशिशें की जा रही हैं। बिहार के बक्सर में रविवार को एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने भाजपा पर षड्यंत्र के आरोप लगाए।

खरगे ने दावा किया कि कांग्रेस नेताओं पर पिछले दस साल में अनगिनत रेड हुए लेकिन निकला कुछ नहीं। ईडी ने 193 नेताओं पर केस किया लेकिन केवल दो मामले साबित कर पाये। खरगे का कहना है कि नेशनल हेराल्ड मामले में जिस परिवार को बदनाम करने का प्रयास किया गया, उसके घर का हर सदस्य आजादी के आंदोलन में जेल में रहा। आजादी के पहले आनंद भवन और स्वराज भवन जैसी संपत्ति देश को समर्पित कर दिया।

शिमला में बारिश और ओलावृष्टि से लौटी ठंड, कल से खुलेगा मौसम

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में रविवार को मौसम के कड़े तेवर देखने को मिले। गर्मी के बीच शिमला समेत राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और ठंड का असर एक बार फिर लौट आया। शिमला शहर में सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर को तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। इस दौरान कई इलाकों में बड़े आकार के ओले भी गिरे। मौसम के इस अचानक बदले मिजाज से स्थानीय लोग ठिठुरने लगे, जबकि गर्मी से राहत की उम्मीद लेकर आए पर्यटक भी ठंड से परेशान दिखे।

महाराष्ट्र में 40 लाख के इनामी चार नक्सली गिरफ्तार

कमांडों की हत्या समेत गम्भीर मामलों में रहे शामिल

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के पल्ली जंगल में पुलिस ने सी-60 कमांडो की हत्या में शामिल और 40 लाख रुपये के इनामी चार कट्टर नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलवादियों की पहचान सेलू मुडेला उर्फ रघु (55), उसकी पत्नी जैनी खराटम उर्फ अखिला (41) और जंसी तलंदी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े उर्फ सरिता (21) के रुप में की गई है। इनमें मुडेला पर 20 लाख रुपये , खराटम पर 16 लाख रुपये , तलंदी और गावड़े पर दो-दो लाख रुपये का इनाम था।

पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने रविवार को जानकारी दी कि चारों नक्सलवादी ताडग़ांव पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत पल्ली के एक जंगल में संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। इसकी भनक लगते ही ताडग़ांव पुलिस स्टेशन की टीम ने इन चारों को गिरफ्तार कर लिया। अब तक छानबीन में पता चला है कि चारों इस साल 11 फरवरी को दिरांगी-फुलनार वन क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान सी-60 कमांडो की हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे। पुलिस के अनुसार सैलू मुडेला

उर्फ रघु प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) दक्षिण गढ़चिरौली डिवीजन का हिस्सा था। जैनी खराटम उर्फ अखिला भामरागढ़ एरिया कमेटी में थी, जबकि ज़ांसी तलंदी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े भामरागढ़ एलओएस का हिस्सा थे।पुलिस के मुताबिक सैलू मुडेला 77 मामलों में शामिल था, जिसमें 34 मुठभेड़, आगजनी की सात घटनाएं, 23 हत्याएं शामिल हैं, जबकि खरातम का नाम 29 मामलों में है, जिसमें 18 मुठभेड़, आगजनी की तीन घटनाएं और चार हत्याएं शामिल हैं। ज़ांसी तलंदी कुल 14 अपराधों में शामिल रहा है, जिसमें 12 मुठभेड़ और एक हत्या शामिल है। मनीला 10 अपराधों में शामिल रहा है। इनमें चार हत्याएं और पांच मुठभेड़ और अन्य शामिल हैं। गढ़चिरौली के एसपी नीलोत्पल ने संकेत दिया है कि क्षेत्र में माओवादी विरोधी अभियान और तेज किए जाएंगे।

मणिपुर में विभिन्न संगठनों के 10 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने विभिन्न अभियानों में कुल 10 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है, जो विभिन्न संगठनों से जुड़े थे और अवैध वसूली जैसी गतिविधियों में संलिप्त थे।

मणिपुर पुलिस के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि यूएनएलएफ (पाम्बेई) के दो विद्रोहियों युमनाम नौचा सिंह उर्फ मेंगबा (24) और हिकरुजम बिद्याचंद्र सिंह उर्फ ब्रूस (28) को लामलाई थाना क्षेत्र के नपेटपल्ली एंड्रो रोड से गिरफ्तार किया गया। इनसे दो मोबाइल, दो स्लिंग बैग, एक बटुआ (3,630 रुपये) और एक आईडी कार्ड जब्त किया गया। इसके अलावा अन्य कार्रवाई में पीआरईपीएके का एक कैडर ताखेल्लामबम याइफाबा मैतेई (26) को संजेन्बम शांगशाबी गांव से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल और एक आधार कार्ड बरामद हुआ। वहीं केसीपी (एमएफएल) के दो कैडरों कंगबम रोहित सिंह (30) और ओइनम बॉबी मैतेई (38) को पटसोई थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। इनके पास से तीन मोबाइल, एक बटुआ व आधार कार्ड, 7,810 रुपये नकद और दो दोपहिया वाहन बरामद हुए।इनके साथ यूपीपीके का एक कैडर निंगथूजम सनातोई सिंह (26) को लामलाई थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल, एक आधार कार्ड, 109 खाली कारतूस, एक कैमुफ्लाज हेलमेट, ब्लैक टैक्टिकल बेल्ट, दो नी गार्ड, पिस्टल होल्स्टर, कैमुफ्लाज पैंट, दो टी-शर्ट और एक जोड़ी बूट बरामद हुए।

विश्व पटल पर भारत की अर्थव्यवस्था वर्ष 2029 तक तीसरे स्थान पर होगी : राजनाथ सिंह

लखनऊ में वरिष्ठ कार्यकर्ता और प्रबुद्ध जन संवाद में शामिल हुए रक्षा मंत्रीलखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल कारखाना का 11 मई करुंगा उद्घाटन : राजनाथ सिंह

लखनऊ, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत पहले वाला भारत नहीं है, भारत अब बदल गया है। पहले भारत की छवि कमजोर और गरीब देश की थी, लेकिन अब यह अवधारणा बदल चुकी है। अब जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलता है तो दुनिया कान खोल कर सुनती है कि भारत क्या बोल रहा है। इसीलिए यह तय किया था कि रक्षा मंत्रालय के सभी उपकरण भारत में भारतवासियों से बनाए जाएंगे क्योंकि भारत में टैलेंट की कमी नहीं है। अर्थव्यवस्था में 11वें स्थान से जम्प लेकर अब भारत पांचवें स्थान पर आ गया है और वर्ष 2029 तक विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में वरिष्ठ कार्यकर्ता और प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने तमाम विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल के लखनऊ में बनने का कार्य पूरा हो गया है। 11 मई को मैं इसका उद्घाटन करुंगा।

यूएई में सोमवार से होगा वायु सेनाओं का बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास डेजर्ट फ्लैग

भारतीय वायु सेना मिग-29 और जगुआर विमानों के साथ हिस्सा लेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के अल धफरा एयर बेस पर सोमवार से एक दर्जन देशों की वायु सेनाओं के बीच बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास 'डेजर्ट फ्लैग' शुरू होगा। इस हवाई अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए भारतीय वायु सेना की टुकड़ी रविवार को यूएई पहुंच गई है। इस अभ्यास में भारतीय वायु सेना मिग-29 और जगुआर विमानों के साथ हिस्सा ले रही है।

वायु सेना के मुताबिक एक्सरसाइज डेजर्ट फ्लैग यूएई वायुसेना की ओर से आयोजित बहुराष्ट्रीय अभ्यास है, जिसमें भारतीय वायुसेना के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, फ्रांस, जर्मनी, कतर सऊदी अरब, कोरिया गणराज्य, तुर्की, यूएई, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका की वायु सेनाओं की

टुकड़ियां भाग लेंगी। यह अभ्यास 21 अप्रैल से 08 मई के बीच होगा। इस अभ्यास का उद्देश्य दुनिया की कुछ सबसे सक्षम वायु सेनाओं के साथ परिचालन ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के साथ जटिल और विविध लड़ाकू अभियानों को अंजाम देना है। इस तरह के अभ्यासों में भाग लेने से आपसी समझ और अंतर-संचालन क्षमता बढ़ती है और भाग लेने वाले देशों के बीच सैन्य सहयोग मजबूत होता है। भारतीय वायुसेना की भागीदारी इस अभ्यास में मित्र देशों के साथ रक्षा संबंधों और अंतर-संचालन क्षमता को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता दर्शाती है।

वक्फ बोर्ड के कथित ट्रस्टियों पर 20 साल से किराया जमा नहीं कराने पर मुकदमा, 5 आरोपित गिरफ्तार

करीब 100 करोड़ रुपये की सम्पत्ति के निजी उपयोग का आरोप

अहमदाबाद, एजेंसी । अहमदाबाद के जमालपुर क्षेत्र के कांच की मस्जिद और शाह बडा कासम ट्रस्ट में कथित ट्रस्टियों ने अवैध निर्माण कर करीब 20 साल तक किराया वसूली की। यह राशि वक्फ बोर्ड में जमा नहीं कराने के आरोप में पुलिस ने सलीम खान समेत 5 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने वक्फ बोर्ड और अहमदाबाद

म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (एएमसी) की ओर से दी गई जमीन पर अवैध दुकान और मकान बनाकर लाखों रुपये किराए के तौर पर वसूले। प्राथमिकी के अनुसार पांचों आरोपित वक्फ बोर्ड के ट्रस्टी नहीं होने के बावजूद लोगों से किराया वसूला करते थे।

जानकारी के अनुसार जमालपुर कांच की मस्जिद के पास रहने वाला मोहम्मद रफीक अंसारी ने गायकवाड हवेली स्थित पुलिस थाने में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी के अनुसार शिकायतकर्ता मोहम्मद रफीक अंसारी ने बताया कि वह वर्षों से कांच की मस्जिद ट्रस्ट की सम्पत्ति में रहता है। ट्रस्ट के सभी पुराने ट्रस्टियों की मौत हो चुकी है। मस्जिद ट्रस्ट में मस्जिद से सटी जमीन का प्लॉट है। वर्षों पहले इस जमीन को ट्रस्टियों ने एएमसी को सौंपी थी।

मप्र के मंदसौर का गांधी सागर अभयारण्य बना चीतों का नया आशियाना

मुख्यमंत्री ने खुले बाड़े में छोड़े दो चीते

मंदसौर, एजेंसी । मध्य प्रदेश में मंदसौर जिले का गांधी सागर अभयारण्य चीतों का नया आशियाना बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार शाम को कूनो राष्ट्रीय उद्यान से लाए गए दो चीतों पावक और प्रभास को गांधी सागर अभयारण्य के बाड़े में रिलीज किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिंजरे का लीवर दबाकर गेट खोला, जिसके बाद एक चीता बाहर आया और दौड़ लगा दी। वह थोड़ी दूर जाकर रुका, फिर पलटकर देखा। कुछ ही देर में मुख्यमंत्री ने दूसरे पिंजरे का गेट खोला। इसमें चीता फौरन बाहर नहीं आया। पीछे से पिंजरें को धकेलना पड़ा, जिसके बाद वह बाहर आया और दौड़ लगा दी। चीतों को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे। नर चीते पावक और प्रभाष करीब 6-6 साल के हैं। इन दोनों को दक्षिण अफ्रीका से 18 फरवरी 2023 को लाया गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान सांसद सुधीर गुप्ता, वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, विधायकगण अनिरुद्ध माधव मारू व दिलीप सिंह सिंह और पूर्व केन्द्रीय मंत्री नेता सत्यनारायण जटिया मौजूद रहे।

असम जेल में बंद अमृतपाल के विरुद्ध एनएसए एक साल के लिए बढ़ा

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब सरकार ने खडूर साहिब से कट्?टरपंथी सांसद अमृतपाल सिंह के विरुद्ध लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) एक साल के लिए बढ़ा दिया है। जिसके बाद अमृतपाल सिंह अब एक साल और असम की डिब्रूगढ़ जेल में रहेंगे। यह अवधि 23 अप्रैल से लागू होगी। अमृतपाल सिंह 23 अप्रैल 2023 से हिरासत में है। उसकी गिरफ्तारी के तुरंत बाद ही उस पर एनएसए लगा दिया गया था और उसे असम की डिब्रूगढ़ जेल में भेज दिया गया था। सरकार ने उसकी गतिविधियों को राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए एनएसए लगाया था। पंजाब सरकार अमृतपाल के नौ साथियों पर लगाया एनएसए समाप्त करके उन्हें पंजाब की जेलों में शिफ्ट कर चुकी है। अमृतपाल के विरुद्ध लगाया गया एनएसए 22 अप्रैल को समाप्त होने जा रहा है, जिसके चलते यह अटकलें कई दिनों से लग रही थी कि सरकार अन्य की तरह अमृतपाल से भी एनएसए हटाकर उसे पंजाब की जेल में शिफ्ट कर सकती है। हालांकि सरकार ने अमृतपाल के एनएसए की अवधि को बढ़ाने का फैसला किया। पंजाब सरकार की ओर से रविवार को एक पत्र मीडिया में जारी किया गया। जिस पर अमृतपाल सिंह ने 18 अप्रैल को हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। नया एनएसए 23 अप्रैल से लागू होगा। अगर इसकी अवधि तीसरी बार बढ़ाई जाती है तो परिवार पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है।

सपा दलितों की हितैषी नहीं हो सकती : मायावती

लखनऊ, एजेंसी । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा आदि की तरह ही सपा भी अपनी नीयत व नीति में खोट-द्वेष है, इस कारण सपा कभी भी दलितों-बहुजनों की सच्ची हितैषी नहीं हो सकती है। वोटों के स्वार्थ की खातिर लगातार छलावा करती रहेगी, जबकि बसपा बहुजन समाज' को शासक वर्ग बनाने के लिए हमेश संघर्ष करती रहेगी।

मायावती ने रविवार को एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, %कांग्रेस-भाजपा की तरह सपा में भी गरीबी, जातिवादी शोषण व अन्याय-अत्याचार आदि को समाप्त करने की इच्छाशक्ति नहीं है। दलितों को संवैधानिक अधिकार देकर उनका वास्तविक कल्याण व उत्थान करना तो दूर की बात है। इसके कारण वे मुख्यधारा से कोसों दूर हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि सपा के लोगों ने हमेशा बसपा के साथ विश्वासघात किया है। 2 जून को सपा नेतृत्व पर जानलेवा हमला, संसद में पदोन्नति में आरक्षण का बिल फाड़ना, संतों, गुरुओं व महापुरुषों के सम्मान में बनाए गए नए जिलों, पार्कों, शैक्षणिक व मेडिकल कॉलेजों के नाम बदलना आदि ऐसे घोर जातिवादी कृत्य हैं, जिन्हें माफ करना असंभव है।

ब्राह्मण रक्षा मंच ने फिल्म 'फुले' का किया विरोध, नफरती दृश्य हटाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राह्मण रक्षा मंच ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'फुले' में ब्राह्मण विरोधी नफरत फैलाने वाले दृश्यों को तुरंत हटाने की मांग की है। रविवार को मंच के प्रमुख सदस्यों ने एकत्र होकर इस फिल्म का पुरजोर विरोध किया और कहा कि जब तक ये दृश्य हटाए नहीं जाते या फिल्म का प्रसारण रोका नहीं जाता, तब तक ब्राह्मण समाज चैन से नहीं बैठेगा।

दिल्ली के प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंच के महन्त सतीश दास जी महाराज, महन्त भोला गिरि जी महाराज, और अन्य सदस्यों ने फिल्म पर आपत्ति जताते हुए बताया कि इस फिल्म को ज्योतिबा फुले के नाम पर ब्राह्मण समाज के गौरवशाली इतिहास को धूमिल करने की साजिश के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ज्ञापन देकर फिल्म के प्रसारण पर रोक लगाने की मांग की है।

वक्ताओं ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने हमेशा समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाने का कार्य किया है और यह अपमान केवल ब्राह्मण समुदाय ही नहीं, बल्कि संपूर्ण सनातन संस्कृति के लिए स्वीकार्य नहीं है। उनका कहना था कि फिल्म में ब्राह्मणों को गलत तरीके से प्रस्तुत करके दर्शाया गया है कि वे महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखने का प्रयास कर रहे हैं, जो पूरी तरह से गलत है।

मप्र के दमोह में खाली पार्सल ट्रेन पटरी से उतरी, थर्ड लाइन और दमोह-सागर अप ट्रैक हुआ बाधित

दमोह, एजेंसी। मध्य प्रदेश के दमोह रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक बड़ा रेल हादसा टल गया। यहां मलैया मिल रेलवे फाटक के पास एक खाली पार्सल ट्रेन पटरी से नीचे उतर गई। गाड़ी के दो डिब्बे ट्रैक से नीचे आ गए और ट्रेन विद्युत पोल से टकरा गई। इससे थर्ड लाइन और दमोह सागर अप ट्रैक बाधित हो गया। इसके कारण यात्री सेवा प्रभावित हुई है। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गए हैं।

घटना रविवार दोपहर करीब 3:00 बजे की है। बताया गया कि कटनी से बीना जा रही एक खाली पार्सल ट्रेन की तीन बोगियों के पहिए पटरी से उतर गए। ट्रैक से नीचे उतरी ट्रेन की ये बोगियां विद्युत पोल से टकरा गई, जिससे विद्युत पोल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रेन खाली होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई।

जल संरक्षण की दिशा में कलेक्टर का नवाचार, बनाये जा रहे रिचार्ज शाफ्ट

जमीन में वर्षा जल पहुंचाने की कवायद, ताकि बढ सके भू-जल स्तर

श्योपुर ब्यूरो। मध्यप्रदेश शासन द्वारा चलाये जा रहे महत्वपूर्ण जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत श्योपुर जिले में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा जल संरक्षण की दिशा में नवाचार करते हुए जिले में 85 रिचार्ज शाफ्ट बनाये जा रहे हैं। जमीन में वर्षा जल पहुंचाने की कवायद की जा रही है, जिससे भू-जल स्तर बढ सके। जिले में पहली बार जल संरक्षण के क्षेत्र में इस तरीके को अपनाया गया है। यह भू-जल स्तर बढाने में भी बेहद कारगर है। बताते हैं कि वर्षा जल भूमि में पहुंचाने के लिए किये जाने वाले अन्य उपायों में सबसे ज्यादा प्रभावी उपाय रिचार्ज शाफ्ट है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के कई कार्य संचालित हैं, जिनमें तालाब, खेत तालाब, पुराने तालाबों को जीर्णोंद्धार, कुयें-बावडियों की सफाई तथा घाटों सहित नदियों की साफ-सफाई जैसे कार्य अभियान के तहत किये जा रहे हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा की पहल पर पहली बार जिले में वर्षा जल को प्रभावी तरीके से जमीन के अंदर पहुंचाने की दृष्टि से रिचार्ज शाफ्ट का तरीका अपनाया गया है। पिछले दिनों उन्होंने जिले में 85 कार्यो को स्वीकृति प्रदान की थी। यह सभी कार्य अब शुरू कर दिये गये हैं, तथा चिन्हित स्थानों पर रिचार्ज शाफ्ट किये जा रहे है। जल स्तर बढाने में अधिक उपयोगी होने से यह कार्य उन क्षेत्रो में कराये जा रहे हैं। जहां गर्मियों के समय जल स्तर काफी नीचे चला जाता है। श्योपुर के मठेपुरा, गुआडी, चौंडपुर तालाब, जैदा तालाब, लूंड तालाब और रतोदन में तीन स्थानों पर रिचार्ज शाफ्ट के कार्य चल रहे है। इसी प्रकार कराहल में 45 स्थानों पर और विजयपुर क्षेत्र में 28 स्थानों पर रिचार्ज शाफ्ट के कार्य किये जायेंगे।

क्या है रिचार्ज शाफ्ट

इसके तहत गर्मियों में पानी सूखने पर तालाबो में 100 फीट की गहराई तक बोर कराया जाता है तथा ऊपर डाया बनाकर पत्थर, बोल्डर आदि डाले जाते है, जिससे बारिश में तालाब भरने पर पानी जमीन के अंदर तक चला जाता है। इस तकनीक में बोर की गहराई मौके पर स्थित सतह के आधार पर की जाती है, जिससे पानी पथरीली सतह को पार कर बीच में पहुंच जाता है। इससे तेजी से जल स्तर में वृद्धि होती है।

विद्यार्थियों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अतेंद्र सिंह गुर्जर जी के नेतृत्व में जन अभियान परिषद द्वारा जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के क्षेत्र म जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में आज शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विजयपुर में सीएम सीएलडीपी के छात्र-छात्राओं को पानी का अपव्यय रोकने के प्रति अन्य लोगों को जागरूक करने सहित जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह, ब्लॉक समन्वयक श्रीमती शाहीन परवीन, नवांकुर संस्था शिवांश युवक मंडल विजयपुर के सचिव विकास शर्मा मेंटर्स हेमंत शर्मा रविंद्र कुमार भारद्वाज, दौजी राम जाटव अभय शरण शर्मा, प्रियंका शाक्य ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्री राम अवतार धाकड़, कामना तिवारी, राखी शर्मा, अवंतिका शर्मा, शुभम सोनी अदिति अटेरिया एमसीएमसी डीपी के छात्र एवं उपस्थित रहे

सिलपुरी में खेत तालाब कार्यों का अवलोकन

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जल संरचनाओं को सहेजने का कार्य निरंतर जारी है। खेत तालाबों के निर्माण के साथ ही पुराने तालाबों के जीर्णोंद्धार कार्य कराये जा रहे हैं, जिससे वर्षा जल को अधिक मात्रा में इन तालाबों में रोका जा सके। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कराहल विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सिलपुरी में 10 किसानों के यहां खेत तालाब का निर्माण किया जा रहा है। इससे वर्षा जल को खेत में ही रोका जा सकेगा। खेत तालाब से किसानों को अपने खेत के लिए सिंचाई सुविधा तो उपलब्ध होगी ही बल्कि भू-जल स्तर बढाने के साथ ही खेत में नमीं के लिए खेत तालाब सहायक होंगे। परियोजना अधिकारी जिला पंचायत श्री विक्रम जाट द्वारा आज जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलपुरी में निर्माणाधीन खेत तालाबों का अवलोकन किया गया।

छोटी नहर शाखाओं की सफाई का कार्य जारी

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जल संरचनाओं को सहेजने का कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में जल संसाधन विभाग द्वारा चंबल दाहिनी मुख्य नहर से निकली छोटी नहर शाखाओं की साफ-सफाई का कार्य ग्रामीणों की सहभागिता से किया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री श्री आरएन शर्मा ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विभागीय अमले तथा क्षेत्रीय ग्रामीणों के माध्यम से नहर शाखाओं, माइनरों की साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है। छोटी नहर शाखाओं में झाडियों और अन्य अवरोधों को हटाने का कार्य करते हुये शाखाओं की सफाई की जा रही है। इसी क्रम में 15 एल माइनर कलारना तथा 14 एल माइनर जाटखेडा पर जन भागीदारी से श्रमदान करते हुये साफ-सफाई का कार्य किया गया।

शासन की 14 जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने हेतु पात्र हितग्राहियों को समग्र आईडी आधार से लिंक कराए जाना अति आवश्यक होगा

दतिया। जिले में मध्य प्रदेश की 14 जनकल्याण कारी योजनाओं का लाभ लेने हेतु जिले के सभी पात्र हितग्राहियों को समग्र आईडी आधार से लिंक कराए जाना अति आवश्यक होगा। जिससे पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक सभी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश एवं केन्द्र शासन की अनेकों जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन प्रदेश के प्रत्येक जिले में नियमानुसार किया जा रहा है। यदि पात्र हितग्राहियों को केन्द्र एवं प्रदेश की सभी योजनाओं का लाभ लेना है तो उन्हें 1 अप्रैल 2025 से 31 मई 2025 तक समग्र आईडी से आधार लिंक ई-केवाईसी कराना अति आवश्यक होगा। यदि पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ लेने के लिए अपनी समग्र आईडी आधार से लिंक नहीं कराएंगे तो केन्द्र एवं राज्य शासन की 14 योजनाओं का लाभ नहीं मिल सकेगा।

इन योजनाओं से हो जाएंगे वंचित

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, पेंशन योजना, छात्रवृत्ति पोर्टल पर पंजीयन, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, स्थाई निवासी प्रमाण-पत्र, राशन वितरण, संबल योजना, रोजगार पंजीयन शामिल है। कलेक्टर श्री माकिन ने बताया कि दतिया सीमांतर्गत निवासरत समस्त नागरिकों को अवगत किया जाता है कि अपने एवं अपने परिवार के समस्त जीवित सदस्यों की समग्र आईडी को आधार से लिंक ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। आप यह कार्य अपने ग्राम पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक तथा वार्ड प्रभारी या नगरपालिका/ नगर परिषद/ सीएससी/ लोक सेवा केन्द्र/एमपी ऑनलाईन सेंटर में कर सकते है। यदि समग्र ई-केवायसी नहीं कराई गई तो आपकी समग्र आईडी को डुप्लीकेट मानते हुए सभी शासकीय लाभ अस्थाई रूप से बंद कर दिया जाएंगे। समय रहते ई-केवायसी कराएं एवं सरकारी योजनाओं का लाभ पाएं।

रोजगारोन्मुखी व्यवसायों में कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

दतिया। प्रभारी प्रबंधक खादी ग्रामोद्योग जिला पंचायत दतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड जिला पंचायत दतिया द्वारा वर्ष 2025-26 में कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत युवक-युवतियों को व्यवसाय हेतु निशुल्क प्रशिक्षण दिलवाए जाने हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र 15 मई 2025 तक आमंत्रित किए जा रहे है। जिन व्यवसायों का प्रशिक्षण होगा उनमें इलेक्ट्रीशियन घरेलू उपकरण, मोटर बाइंडिग, सोलर पेनल इंस्टालेशन रिपेयरिंग, अगरबत्ती निर्माण, बेसिक सिलाई गारमेंट, फैंशन डिजाइनिंग, प्लम्बर, राजमिस्त्री, दोना पत्तल, बेकरी, लेदर फुटवियर आपरेटर, इलैक्ट्रीशियन, लेदर गुडस, मोबाइल रिपेयरिंग, कृत्रिम आभूषण निर्माण, कतिन बुनकर, जरदौजी, हैण्ड इम्ब्रोईडरी, स्पीनिंग ऑन न्यू मॉडल चरखा, असिस्टेंट फैशन सेल एण्ड शोरूम रिप्रेसेंटिव, इलैक्ट्रीशियन इंटस्ट्रिलय, जिक-जैक मशीन एम्ब्रोईडरी, कम्प्यूटर हार्ड वेयर एवं नेटवर्किंग, लेदर फुटवियर, मशीनिस्ट (सीएनसी मशीन ऑपरेटर), रिटेल सेल एसोसिएट, फेब्रिक ड्राफ्टिंग एवं कटिंग जैकेट एवं जोधपुरी, बटिक प्रिटिंग स्पेशलिस्ट, टाई एवं डाई स्पेशलिस्ट, ब्लॉक प्रिटर, एडवांस फैशन डिजाइनिंग, फैंशन डिजाइनिंग टेक्नोलॉजी, डीटीपी एवं प्रिंट प्रबलिशिंग असिस्मेंट, प्लेन वीविंग ऑन फ्रेम-लून, एडवांस हैण्डलूम बीविंग, बेसिक हैण्डलूम बीविंग, मधुमक्खी पालन शामिल है। अधिक जानकारी के लिए प्रभारी प्रबंधक मध्य प्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड जिला पंचायत कार्यालय दतिया में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

विजयपुर ब्रह्माकुमारी आश्रम में दादी रतन मोहिनी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

विजयपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के विजयपुर सेवा केंद्र में पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी जी के अव्यक्तारोहण के उपलक्ष्य में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र की इंचार्ज बीके शशि बहन, बीके प्रकाश भाई, हरिओम भाई, प्रवीण मित्तल, भारत भाई, रामदयाल रावत सहित अनेक श्रद्धालु और संस्था से जुड़े भाई-बहनों ने भाग लिया। सभी ने दादी रतन मोहिनी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके द्वारा दिखाए गए आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा में बीके शशि बहन ने दादी रतन मोहिनी के प्रेरणादायी जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दादी ने अपने 101 वर्ष के जीवनकाल में शांति, पवित्रता और मानवता की सेवा के लिए अनुकरणीय कार्य किए। उन्होंने बताया कि दादी ने 1937 में ब्रह्माकुमारी संस्थान की स्थापना के समय से ही संस्थान को अपने समर्पण और नेतृत्व से वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। विशेष रूप से युवा प्रभाग की अध्यक्ष के रूप में 40 वर्षों तक उन्होंने असंख्य युवाओं को आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों के मार्ग पर प्रेरित किया। बीके शशि बहन ने दादी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए सभी से उनके गुणों को आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी दादी रतन मोहिनी के आध्यात्मिक योगदान और उनके सादगी भरे जीवन की चर्चा की। बीके प्रकाश भाई ने कहा कि दादी का जीवन एक जीवंत उदाहरण है कि कैसे सादगी, धैर्य और करुणा के साथ समाज को बेहतर बनाया जा सकता है। हरिओम भाई और प्रवीण मित्तल ने भी दादी के साथ अपने अनुभव साझा किए और उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं को जीवन में अपनाने पर जोर दिया। श्रद्धांजलि सभा के समापन में दादी रतन मोहिनी के नियमित भोग की रस्म आयोजित की गई, जिसमें सभी ने भावपूर्ण माहौल में भाग लिया। इसके पश्चात ईश्वरीय प्रसाद का वितरण किया गया, जिसे उपस्थित सभी लोगों ने श्रद्धा के साथ ग्रहण किया। यह कार्यक्रम न केवल दादी रतन मोहिनी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर था, बल्कि उनके द्वारा स्थापित मूल्यों और शिक्षाओं को जीवन में उतारने का एक संकल्प भी था। विजयपुर ब्रह्माकुमारी आश्रम में आयोजित इस श्रद्धांजलि सभा ने सभी उपस्थित लोगों के मन में आध्यात्मिक उत्साह और प्रेरणा का संचार किया।

मेहंदी एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। म.प्र.जन अभियान परिषद ब्लॉक सबलगढ़ द्वारा ब्लॉक समन्वयक श्री मती बंदना सगर के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में जागरूकता लाने के लिये मेहंदी प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन अन्नपूर्णा देवी शिक्षा समाज एवं सांस्कृतिक समिति सबलगढ़ द्वारा शा. कन्या शाला उ. मा. वि में कराया गया नवांकुर संस्था प्रभारी शशिकांत मरैया ने बताया कि जल संरक्षण आज के समय की एक अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है जल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है जल संरक्षण का अर्थ है पानी का सही तरीके से उपयोग करना कार्यक्रम में परामर्शदाता महेश नारोलिया, मुकेश जाटव, धीरज सिंह जादौन, वर्षा जादौन, ओमवती जाटव कार्यक्रम सी.एम.सी.एल.डी.पी. छात्राओ सानवी त्रिवेदी,राखी पुरोहित मधु माहौर, ममता नामदेव,दक्षता जगनेरिया, शिवानी वर्मा, ममता शाक्य, कृष्णा मीणा, रेनू प्रजापति, रूबी शर्मा,कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग छात्र गोलू राठौर, शनि अर्गल का रहा

बंजारा डैम पर स्वच्छता अभियान आज सुबह 08 बजे से

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जल संरचनाओं को सहेजने का कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम में आज 21 अप्रैल को सीप नदी बंजारा डैम पर प्रातः 08 बजे से स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया है। नगर पालिका अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के नोडल अधिकारी श्री आदित्य चौहान ने बताया कि प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए जल गंगा अभियान अंतर्गत कार्यक्रम किये जा रहे हैं, जिसमें नदी घाटों तथा नदी को स्वच्छ बनाने के लिए श्रमदान किया जा रहा है। इसी क्रम में आज 21 अप्रैल को प्रातः 08 बजे से बंजारा डैम पर स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया है। जिसके तहत बंजारा डैम सीप नदी पर साफ-सफाई का कार्य किया जायेगा। उन्होंने सभी नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जन प्रतिनिधियों से स्वच्छता हेतु श्रमदान कार्यक्रम मे सहभागिता की अपील की है।

कार्यालयों में ई-आफिस से चलेंगी फाइलें, पेपरलेस होगी कार्यप्रणाली, डाक व्यवस्था होगी समाप्त

रीवा। शासकीय कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनवरी 2025 में मुख्यमंत्री आवास से ई-आफिस कार्यप्रणाली का शुभारम्भ किया था। जिसके बाद संभाग और जिले स्तर पर ई-ऑफिस को लागू करने का कार्य शुरू हो चुका है। जिसके तहत रीवा संभागीय कार्यालय एवं कलेक्टर कार्यालय इस कार्यप्रणाली में पूरी तरह से ऑन-बोर्ड हो चुके हैं। साथ ही रीवा जिले के 35 विभाग भी ई-ऑफिस में ऑन-बोर्ड हो चुके हैं, जिसमें से 20 कार्यालय/सेक्शन ई-आफिस से फाइलें भेजने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। इसमें से कलेक्ट्रेट की भू-अभिलेख शाखा ने सर्वाधिक 9 फाइलों का ई-ऑफ़िस से निपटारा किया गया। जिले के अन्य विभाग भी अब पूरी तरह से फाइलें ई-ऑफ़िस से ही प्रेषित कर रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि ई-ऑफिस एक डिजिटल क्रांति के रूप में हैं। इससे हम सिंगल क्लिक से अनुमोदित कर फाइल सम्बंधित कार्यालय को वापस कर सकते हैं। जिले में पूरी तरह ई-ऑफिस में शिफ्ट होने के बाद हम अनुभाग, जनपद और तहसील स्तर तक लागू करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। संयुक्त कलेक्टर प्रमोद कुमार पाण्डेय ने कहा कि मैंने अपनी सभी शाखाओं से फाइले ई -ऑफिस से ही लेना शुरू कर दिया हैं द्य ई-ऑफिस से ही नोटशीट बनाना, ड्राफ्ट को अप्रूवल करना, ई साइन करके फाइल आगे बढ़ा देना काफी आसान हैं। जिला नोडल अधिकारी ई आफिस मनीष पटेल ने बताया कि रीवा संभागीय कार्यालय, कार्यालय कलेक्टर एवं जिले के लगभग 35 कार्यालय ई-ऑफिस में ऑन-बोर्ड हो चुके हैं। सभी विभागों को रोस्टर जारी कर प्रशिक्षण भी दिया जा चुका हैं। अप्रैल माह तक सभी कार्यालयों को ई-ऑफिस में ऑन-बोर्ड कर दिया जायेगा। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों-कर्मचारियों को नोडल अधिकारी प्रशिक्षण दिया गया। ई-आफिस के लाभ- ई-आफिस से अधिकारी/कर्मचारी अपनी शासकीय ईमेल-आईडी से अन्य अधिकारी को फाइलें भेज सकेंगे और वरिष्ठ अधिकारी से अनुमोदन भी ऑनलाइन ही प्राप्त किया जा सकेगा। ई-आफिस सिस्टम से समय और पेपर दोनों की बचत होगी। इस सिस्टम से शासकीय कार्यप्रणाली में गति एवं पारदर्शिता आयेगी, फाइल की हेराफेरी एवं काट-छांट की गुंजाइश समाप्त होगी। फाइल के बनने से लेकर व किस स्थिति में है ई-ऑफिस से ऑनलाइन देखा जा सकेगा साथ ही संबंधित अधिकारी-कर्मचारी को काम तय समयसीमा में करना होगा।

युवा संगम कार्यक्रम आज आईटीआई रीवा में

रीवा। जिले के शासकीय आईटीआई रीवा में 21 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 10 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में जीएसएस आईएफएमएस प्रा. लि. जामनगर ए गुजरात, बैक्सी लिमिटेड नीमराना कोटा, टाटा मोटर ऑटो मोबाइल कंपनी गुजरात, ख्याति शील्ड वेन्टुरेज प्रा. लि. छत्तीसगढ, पेरेग्रीन गार्डिंग प्रा.लि. गुजरात, प्रतिभा सिन्टेक्स लि. पीथमपुर, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्रा. लि. पुणे तथा एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

टीएल बैठक 22 अप्रैल को

मुरैना। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में टीएल बैठक 22 अप्रैल को दोपहर 03 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में आयोजित की गई है। बैठक में समस्त अधिकारी उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

टीएल बैठक आज

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 21 अप्रैल को टीएल बैठक का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित बैठक में सभी जिला प्रमुखों, एसडीएम, सीईओ जनपद तथा तहसीलदारों की उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं। बैठक में सभी तहसीलदार अमृत सरोवरों व बलराम तालाबों की प्रविष्टि पूर्ण कर खसरों की भौतिक प्रति के साथ उपस्थित रहेंगे।

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिये हो प्रभावी कार्रवाई : कलेक्टर श्रीमती चौहान

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा है कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिये प्रभावी कार्रवाई की जाए। जहाँ भी आवश्यक है वहाँ पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी अवश्य की जाए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने उच्च न्यायालय द्वारा एसडब्ल्यूएम के संबंध में दिए गए निर्देशों के परिपालन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों की बैठक में यह निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के संबंध में प्रभावी कार्रवाई के साथ-साथ जन जागरूकता के कार्य को भी प्राथमिकता के साथ किया जाए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय सहित निगम के अधिकारीगण एवं विभागीय अधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध होने के बाद भी बाजारों में पॉलीथिन का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित नहीं हुआ है। पॉलीथिन का थोक विक्रय करने वाले एवं पॉलीथिन का निर्माण करने वालों को चिन्हित कर उन पर प्रभावी कार्रवाई की जाए। ऐसे सभी थोक विक्रेताओं को चिन्हित कर नोटिस जारी किया जाए एवं निर्धारित अवधि के पश्चात भी पॉलीथिन का उपयोग या विक्रय पाया जाता है तो संबंधित विक्रेता के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने पेयजल के दुरुपयोग को रोकने के साथ-साथ जो व्यवसायिक जल उपभोक्ता हैं उनको चिन्हित कर उनके संस्थान में वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य को अनिवार्यत‍ कराया जाए। निगम के मैदानी अधिकारी इस कार्य को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में करें। उन्होंने वायु प्रदूषण को रोकने के लिये सभी निर्माण कार्यों पर ग्रीन नेट लगाने को अनिवार्य करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों पर ग्रीन नेट अवश्य लगाएँ। जिन निर्माण कार्यों पर ग्रीन नेट नहीं पाया जाए, वहाँ पर संबंधित भवन अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने ग्वालियर शहर में एकत्र हो रहे कचरे के निष्पादन पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि डम्पिंग स्टेशन पर एकत्रित कचरे का निष्पादन प्राथमिकता के साथ किया जाए। निगम के अधिकारी गर्मी के मौसम को देखते हुए अधिक से अधिक कचरा निष्पादन की कार्रवाई सुनिश्चित करें। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के संबंध में निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्यों पर ग्रीन नेट लगाने के निर्देश सभी विभागीय अधिकारियों को दिए गए हैं। शासकीय निर्माण कार्यों पर भी ग्रीन नेट लगे, यह सुनिश्चित किया जायेगा। शहर में पेयजल का दुरुपयोग करने वालों के विरूद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। धुलाई सेंटरों को बंद कराने की कार्रवाई भी निगम द्वारा की गई है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के तहत कचरे के निष्पादन का कार्य भी निरंतर किया जा रहा है। इसके लिये निगम द्वारा एक प्रस्ताव भी शासन स्तर पर भेजा गया है। जिसकी स्वीकृति आने पर शेष कार्य भी तत्परता से पूरा किया जायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न हो, इसके लिये भी निगम अभियान चलाकर कार्य कर रहा है। थोक पॉलीथिन विक्रेता एवं निर्माताओं के विरूद्ध भी निगम द्वारा तत्परता से कार्रवाई की जायेगी।

एमपी ट्रांसको वेबसाइट पर पेंशनरों के लिये बढ़ी सुविधाएं : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने अपने पेंशनरों और उनके आश्रितों के लिए ऑनलाइन सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर नई सुविधाएँ शुरू करने के बाद अब उसमें और अनेक नई सुविधाओं को जोड़ा है। अब पेंशनर कहीं से भी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। एमपी ट्रांसको के मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री मुकुल महरोत्रा ने बताया कि पहले पेंशनरों या उनके आश्रितों को जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने के लिए एमपी ट्रांसको के कार्यालयों में जाना पड़ता था, लेकिन अब यह आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। नई सुविधा के साथ, डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र सेवा अब वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध है। पेंशनर अब अपनी पेंशन की स्थिति की जांच कर सकते हैं और वर्तमान जीवन प्रमाण-पत्र की वैधता भी ऑनलाइन देख सकते हैं। इससे उन्हें समय पर डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, वेबसाइट पर एक समर्पित टैब भी जोड़ा गया है, जहाँ पेंशनर अपनी पेंशन स्लिप देख और डाउनलोड कर सकते हैं। इनकम टैक्स फॉर्म-16 एक्सेस कर सकते हैं और डाउनलोड कर सकते हैं। वर्तमान में, एमपी ट्रांसको के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन और पारिवारिक पेंशन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से वितरित की जाती है, जिसमें 4,285 पेंशनर जुड़े हुए हैं। भविष्य में इस प्रणाली को अन्य बैंकों से भी जोड़ने की योजना है।

उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण हब के रूप में उभरा मध्यप्रदेश

किसानों की आर्थिक समृद्धि का आधार बनी उद्यानिकी फसलें

भोपाल। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में जिस गति से मध्यप्रदेश ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनाई है, उससे प्रदेश की उद्यानिकी फसलों के प्रति देश और विदेशों में खासी मांग भी बढ़ रही है। इससे प्रदेश के किसानों को आर्थिक संबल भी मिल रहा है। मध्यप्रदेश उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण का मुख्य हब बन कर उभरा है। गत फरवरी माह में भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों से उद्यानिकी क्षेत्र में 4 हजार करोड़ रूपये से अधिक का निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह निवेश प्रस्ताव मध्यप्रदेश के उद्यानिकी क्षेत्री में हुए नवाचारों और बड़े पैमाने पर हो रहे उत्पादन को दर्शाता हैं। मध्यप्रदेश में गत 5 वर्षों में उद्यानिकी के रकबा में 23.72 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 2019-20 में उद्यानिकी फसलों का रकबा 21.75 लाख लाख हेक्टेयर था जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 26.91 लाख हैक्टेयर हो गया है। मध्यप्रदेश में गत 20 वर्षों में छोटे के साथ बड़ी कृषि-जोत रखने वाले किसान भाइयों ने %कैश-क्रॉप% के रूप में उद्यानिकी फसलों को लेना शुरू कर दिया है इस कारण उद्यानिकी फसलों (फल, सब्जी, मसाला पुष्प एवं औषधियों) का रकबा 4 लाख 67 हजार हैक्टेयर से 27 लाख 71 हजार हैक्टेयर यानिकी लगभग 500 प्रतिशत की तथा उत्पादन 35 लाख 40 हजार मीट्रिक टन से बढ़कर 417 लाख 89 हजार मीट्रिक टन हो गया। इस तरह उत्पादन में 1000 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण का मुख्य हब बन रहा है। मध्यप्रदेश की जलवायु उद्यानिकी फसलों के लिये अनुकूल होने के साथ सिंचाई सुविधाएँ भी अन्य राज्यों से बेहतर है। प्रदेश का कुल उद्यानिकी रकबा का 5 लाख 54 हजार हैक्टेयर मध्यप्रदेश में उद्यानिकी फसलों की उत्पादकता 15.02 टन प्रति हैक्टयर है, जो देश की उद्यानिकी फसलों की औसत उत्पादकता 12.19 टन प्रति हैक्टेयर से 23.21 प्रतिशत अधिक है। खाद्यान फसलों की उत्पादकता 2.82 टन प्रति हैक्टेयर की तुलना में उद्यानिकी फसलों की उत्पादकता 15.02 टन प्रति हैक्टेयर है, जो 5 गुनी से अधिक है। आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश में उद्यानिकी (बागवानी) प्रदेश के किसान भाइयों की आय का मुख्य घटक बनकर उभरेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो सपने को सकार करने के लिये परियोजनाओं को धरातल पर लाने का प्रयास प्रारंभ किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल ÷मिले जल हमारा तुम्हारा÷ के प्रयास पर मध्यप्रदेश में 24 हजार 293 करोड़ की अनुमानित लागतसे केन-बेतवा लिंक परियोजना, 35 हजार करोड़ की लागत से पार्वती-कालीसिंध-चम्बल अन्तर्राज्यीय नदी लिंक परियोजनाओं का कार्य प्रारंभ हो चुका है। ताप्ती नदी बेसिन मेगा रिचार्ज योजना महाराष्ट्र सरकार के साथ प्रारंभ किया जा रहा है। साथ ही वर्ष 2025-26 में 19 वृहद एवं मध्यम तथा 87 लघु सिंचाई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं। इन परियोजनाओं से प्रदेश के सिंचित रकबे में आशातीत वृद्धि होगी। उद्यानिकी विभाग द्वारा भी किसानों को सूक्ष्म सिंचाई प्रयासों के तहत ड्रिप/स्प्रिकंलर संयंत्र करने के लिये अनुदान देकर प्रोत्साहित किया जा रहा हौ। प्रदेश में 22 हजार 167 हितग्राहियों 130 करोड़ रूपये का अनुदान प्रदान कर 26 हजार 355 हैक्टेयर फसलों को बेहतर सिंचाई सुविधा मुहैया कराई गई है। ÷पर ड्रॉप मोर क्रॉप÷ योजना के तहत राष्ट्रीय उद्यानिकी मिशन के तहत वर्ष 2025-26 के लिये 100 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इन सभी प्रयासों के परिणाम स्वरूप ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा आगामी 5 वर्षों में उद्यानिकी फसलों का रकबा 26.91 लाख हैक्टेयर से बढ़ाकर 33 लाख 91 हजार हैक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति में उद्यानिकी विभाग के प्रयास सराहनीय है। जिला स्तर की 40 नर्सरियों और ई-नर्सरी को हाईटेक बनाया गया है, पौधे के लिये ऑनलाइन पोर्टल बनाया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा रिक्त पड़ी सरकारी जमीनों पर नई नर्सरी पीपीपी मोड पर विकसित करने के निर्देश दिये है। प्रदेश में इजराइली तकनीकि से 14.74 करोड़ की लागत से 3 सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस, मुरैना में हाई वैल्यू वेजिटेबल, छिंदवाड़ा में नीबू वर्गीय फसलों तथा हरदा में निर्यात उन्मुख (आम और सब्जी) के लिये स्थापित किये जाना है। इसी क्रम में मुरैना में पीपीपी मोड में आलू की समग्र खेती की परियोजना प्रारंभ की गई, इसमें किसानों ने गत 3 वर्षों में आलू की अनेक नई किस्म विकसित की है। ग्वालियर में 13 करोड़ रूपये की लागत से हाईटेक फ्लोरी कल्चर नर्सरी भी बनाई जा रही है। उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में प्रदेश की स्थिति की बात करें तो मध्यप्रदेश संतरा, मसाले लहसुन, अदरक और धनिया के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। मटर, प्याज, मिर्च, अदरक में दूसरे तथा फूल, औषधियों एवं सुगंधित पौधों के उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में फसलों का रकबा भागीदरी फल 4.61 लाख हैक्टेयर, सब्जी 12.40 लाख हैक्टेयर, मसालें 8.99 लाख हैक्टेयर, पुष्प 14 हजार हैक्टेयर तथा औषधी एवं सुगंधित पौधे 48 हजार हैक्टेयर में पैदा किये जा रहे है। राज्य सरकार उद्यानिकी फसलों को प्रोत्साहित करने के लिये लगातार प्रयास कर रही है, फसलों को वैश्विक पहचान-ल्रढ्ढ टैग दिलाने के प्रयास जारी है। प्रदेश के रीवा के सुंदरजा आम और रतलाम के रियावन लहसुन को ल्रढ्ढ ञ्जड्डद्द मिल चुका है। प्रदेश की 15 उद्यानिकी फसलें इनमें खरगौन की लालमिर्च, जबलपुर की मटर, बुरहानपुर का केला, सिवनी का सीताफल, नरसिंहपुर (बरमान) का बैंगन, बैतूल का गजरिया आम, रतलाम की बालम ककड़ी, जबलपुर का सिंघाड़ा, इंदौर का जीरा, धार की खुरासानी इमली, इंदौर के मालवी गराडू, देवास के मावाबाटी और सतना की खुरचन को भी वैश्विक पहचान ल्रढ्ढ दिलाने के प्रयास किया जा रहा है। उत्पादित फसलों की वैल्यू एडिशन (मूल्य वर्धन) के लिये आवश्यक है कि उत्पादित फसलों की प्रोसेसिंग कर बाजार में भेजा जाये। इससे किसान को भी अच्छे दाम मिल सकेंगे और रोजगार भी उपलब्ध होगा। इसी उद्देश्य से अच्छे दाम पर विक्रय के लिये प्रदेश में 1982 में खाद्य प्र-संस्करण विभाग की स्थापना की गई थी जो पूर्व में कृषि विभाग का हिस्सा था। वर्ष 2005 से उद्यानिकी के साथ है। प्रदेश में सूक्ष्म खाद्य ईकाइयों और प्र-संस्करण उद्यागों संवर्धन नीति-2014 के क्रम में खाद्य प्र-संस्करण उद्योगों को वित्तिय सहायता प्रदान की जाती है। 25 करोड़ तक की परियोजना में 10 प्रतिशत 2.5 करोड़ रूपये अनुदान दिया जाता है। वर्ष 2018 से 2024-25 तक 85 करोड़ से अधिक राशि की 242 इकाइयाँ स्थापित हुई है। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम योजना (क्करू स्नरूश्व) योजना में 2021-22 से 2024-25 तक 11597 ईकाइयों की रिकार्ड स्थापना हुई है।

इसमें निजी ईकाइयों को अधिकतम 35 प्रतिशत तक क्रेडिट लिंक अनुदान दिया जाता है। उत्पादित सामग्री को बाजार मुहैया कराने के प्रयास लगातार जारी है। जुलाई 2024 में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विभागीय समीक्षा बैठक में मध्यप्रदेश में उद्यानिकी खाद्य प्र-संस्करण पर केन्द्रित मेले और वर्कशॉप आयोजित करने, प्रदेश में एक विशेष उद्यानिकी और प्र-संस्करण समिट आयोजित किये जाने पर जोर दिया है जो राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के साथ उद्यानिकी के बढ़ते हुए महत्व को सिद्ध करती है। प्रदेश के किसानों की खुशहाली और राज्य का आर्थिक स्वंलम्बन उद्यानिकी में छिपा हुआ है। सरकार और किसान दोनों इस ओर बढ़ रहे हैं। निश्चित ही इसके अच्छे परिणाम आयेंगे।

बाल विवाह रोकने के लिए उड़न दस्ते गठित

अक्षय तृतीया सहित अन्य मुहूर्त पर होने वाले विवाहों पर रखेंगे नज़र

ग्वालियर। अक्षय तृतीया एवं अन्य मुहूर्त पर आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह एवं एकल विवाह समारोह में बाल विवाह रोकने एवं जागरूक करने तथा होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा उड़नदस्ते गठित किए हैं। उन्होंने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अन्तर्गत कानूनी कार्यवाही करने के उद्देश्य से विकासखण्ड स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक बाल विवाह रोको ÷उडन दस्तों÷ का गठन किया है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने उड़नदस्तों में शामिल अधिकारी एवं कर्मचारियों को पूरी गंभीरता के साथ सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए हैं। ये सभी दल परस्पर समन्वय स्थापित कर संबंधित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित होने वाले एकल विवाह व सामूहिक विवाह साम्मेलनों में निगरानी करेगें। यदि बाल विवाह का कोई भी प्रकरण पाया जाता है तो तत्काल कार्यवाही कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। जिसकी एक प्रति जिला कार्यकम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को देना होगी।

विकास खण्ड स्तरीय बाल विवाह रोको उडनदस्ता

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), तहसीलदार, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं महिला बाल विकास विभाग के संबंधित सेक्टर पर्यवेक्षक शामिल किए गए हैं।

ग्राम स्तरीय उड़नदस्ता

ग्राम स्तर पर बाल विवाह रोकने के लिए गठित उड़नदस्ता में शासकीय हायर सेकेण्डरी व हाई स्कूल के प्राचार्य, माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक, ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच व सचिव, आगनवाडी व कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता, स्वसहायता समूह व शौर्यादल के सदस्य एवं संबंधित क्षेत्र के पुलिस बीट प्रभारी शामिल किए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 24 अप्रैल को ग्वालियर में विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

जल गंगा संवर्धन अभियान में भी करेंगे भागीदारी, प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 24 अप्रैल को ग्वालियर में करोड़ों रूपए के विकास कार्यों की सौगात देने के साथ ही ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ के तहत किए जा रहे कार्यों में भी सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर में हजीरा क्षेत्र में स्थित फुटबॉल मैदान में आयोजित लोकार्पण समारोह में शहर को कई सौगातें प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्वालियर जिले के निरावली ग्राम में पहुँचकर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब के गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य में सहभागिता करेंगे। केन्द्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने रविवार को विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह की तैयारियों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की एवं आयोजन को पूर्ण भव्यता एवं गरिमा के साथ आयोजित करने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, विधायक श्री मोहन सिंह राठौर, संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री, आईजी श्री अरविंद सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय सहित पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, पूर्व विधायक श्री मुन्नालाल गोयल एवं विभागीय अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों से कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के साथ अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में शहर के विकास कार्यों का लोकार्पण किया जा रहा है। कार्यक्रम की सभी तैयारियाँ समय रहते पूर्ण कर ली जाएँ। इसके साथ ही गर्मी के मौसम को देखते हुए कार्यक्रम में आने वाले नागरिकों के लिए पेयजल आदि की व्यवस्था बेहतर हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा 24 अप्रैल को ग्वालियर में विकास कार्यों के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम के संबंध में प्रशासन द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

महिला सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित सराफा बाजार में "पिंक बूथ" का हुआ शुभारंभ

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देष पर थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित सराफा बाजार में आज दिनांक 20.04.2025 को जिले का पहला पिंक बूथ स्थापित किया गया है। सराफा बाजार में स्थापित किये गये पिंक बूथ का आज दिनांक 20 अप्रैल 2025 को अति. पुलिस अधीक्षक(मध्य) श्रीमती सुमन गुर्जर, अति. पुलिस अधीक्षक (पष्चिम) श्री गजेंद्र सिंह वर्द्धमान एवं डीएसपी महिला सुरक्षा श्रीमती किरण अहिरवार के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा एसोसियेशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसाइटी के सहयोग से सराफा बाजार में जिले का पहला महिला सहायता पिंक बूथ का उद्घाटन एडिशनल एसपी श्रीमती सुमन गुर्जर ने फीता काट कर व मंदिर में दीप प्रज्वलित कर किया गया। पिंक बूथ के शुभारंभ अवसर पर एडिशनल एसपी श्रीमती सुमन गुर्जर ने पिंक बूथ में पदस्थ महिला आरक्षक अंजू शर्मा, शशि सिंह का माला पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि महाराज बाड़ा, सराफा बाजार में महिलाओं का आना जाना काफी संख्या में होता है इसलिए उनकी सुरक्षा को देखते हुए पिंक बूथ को चालू किया गया है जिससे महिलाएं सहज रूप से अपनी समस्याएं महिला अधिकारियों को बता सकती हैं, जिससे उनकी समस्या का शीघ्र निराकरण किया जा सकेगा। इस अवसर पर थाना प्रभारी कोतवाली उनि मोहिनी वर्मा ने बताया कि इस पिंक बूथ में महिलाओं की शिकायत प्राथमिकता से सुनी जाएगी और उनकी शिकायतें सुनने के लिए महिला आरक्षक सुबह से देर रात तक हमेशा उपस्थित रहेंगी। पिंक बूथ में एक सीयूजी नम्बर भी प्रदर्षित किया गया है जिस पर महिला या युवतियों द्वारा सहायता के लिये फोन लगाया जा सकता है। पिंक बूथ चौकी के शुभारंभ पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गजेंद्र सिंह वर्द्धमान, डीएसपी महिला सुरक्षा श्रीमती किरण अहिरवार, महिला थाना प्रभारी श्रीमती दीप्ति तोमर, अजाक थाना प्रभारी श्रीमती अनीता गुर्जर, सभी महिला डेस्क प्रभारी, श्री पुरुषोत्तम जैन (अध्यक्ष सोना चांदी व्यवसाई संघ), सुरेश गुप्ता (समाज सेवी), माधव अग्रवाल, विशाल जैन, धीरज गोयल, नरोत्तम रेनवाल आदि उपस्थित रहे।

घासमण्डी मुरार स्थित सूने घर में चोरी करने वाले एक शातिर

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह,भापुसे द्वारा चोरी व नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाकर चोरों को पकड़ने हेतु जिले के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के निर्देशों के अनुक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मध्य) श्रीमती सुमन गुर्जर के द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र में हुई चोरी व नकबजनी की घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों को पकड़ने हेतु निर्देषित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषानुसार सीएसपी मुरार श्री राजीव जंगले के कुषल मार्गदर्षन में थाना प्रभारी मुरार निरीक्षक मदन मोहन मालवीय द्वारा थाना बल की एक टीम को थाने के अप0क्र0164/25 धारा 331(4),305 बीएनएस के प्रकरण के अज्ञात आरोपी की पतारसी हेतु लगाया गया। दौराने विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरे चेक किये गये एवं सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर कुछ संदेहियों को चिन्हित किया गया तथा उनकी पतारसी हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय किये गये। थाना मुरार पुलिस को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि घासमण्डी मुरार में दिनांक 10/11.04.2025 की रात में हुई चोरी की घटना हुरावली के रहने वाले एक व्यक्ति द्वारा की गई है। सूचना पर पुलिस की टीम को हुरावली में संदेही के घर पर तस्दीक हेतु भेजा गया, तलाषी के दौरान संदेही घर पर उपस्थित मिला, जिससे उक्त चोरी की घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की गई तो उसके द्वारा पुलिस टीम को गुमराह करने का प्रयास किया गया लेकिन गहनता से पूछताछ करने पर उसके द्वारा चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये आरोपी की निषादेही पर विवेकानंद चौराहा के पास पीएचई कार्यालय में रखे अपने कटिंग के सामन पाउडर के डिब्बे में से चोरी गया मशरुका एक पीली सोने जैसी धातु की कान का झाला (झुमका) जप्त किया गया। थाना मुरार पुलिस द्वारा पकड़े गये आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर उससे क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में पूछताछ की जा रही है। **घटना का विवरणः-** फरियादी मोहनलाल झा पुत्र स्व. नत्थूलाल झा उम्र 80 साल निवासी अकबगंज घासमण्डी मुरार ने थाना पर रिपोर्ट लेख कराई थी कि दिनांक 10.04.2025 की शाम करीबन 07 बजे वह अपने घर में ताला लगाकर दोस्त से मिलने के लिए मुरैना चला गया था, फिर वह दिनांक 11. 04.2025 के सुबह करीबन 11 बजे वापस अपने घर आया तो देखा मेरे घर के मैनगेट की कुण्डी टूटी हुई थी जब घर के अंदर गया तो घर की तीसरी मंजिल पर कमरे में रखे लोहे के 03 बक्सों का ताला टूटा हुआ था जिसमें मेरी पत्नी के सोने के कान के झाले 01 जोड़ी व कुछ नगदी रूपए रखे हुए थे जो नहीं मिले। जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति दिनांक 10-11.04.2025 की दरम्यानी रात्रि में घर का ताला तोड़कर चोरी कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना मुरार में अज्ञात आरोपी के खिलाफ अप0क्र0 164/25 धारा 331(4),305 बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। **बरामद मशरूकाः** एक पीली सोने जैसी धातु की कान का झाला (झुमका)। **सराहनीय भूमिकाः** थाना प्रभारी मुरार निरी0 मदन मोहन मालवीय, प्रआर हरवीर सिंह, आर. योगेन्द्र गुर्जर, आर. जयहिंद जादौन, आर. बनवारी राजावत की सराहनीय भूमिका रही।

थाना पुरानी छावनी पुलिस ने चेकिंग के दौरान तीन बाइक चोरों को पकड़कर उनके पास से चोरी की एक मोटर साइकिल की जप्त

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर जिले में वाहन चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर वाहन चोरों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देषों के तारतम्य में अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध/यातायात) श्री कृष्ण लालचंदानी,भापुसे द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में चोरी गये वाहनों की बरामदगी कर चोरों को पकड़ने हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के निर्देष दिये। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी महाराजपुरा श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार के कुषल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पुरानी छावनी उप निरीक्षक क्षमा राजौरिया के द्वारा थाना बल की टीम को क्षेत्र में रेण्डम वाहन चेकिंग कर वाहन चोरों की धरपकड़ हेतु लगाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषानुसार थाना पुरानी छावनी पुलिस टीम द्वारा निरावली तिराहे पर वाहन चेकिंग की जा रही थी तभी मुखविर व्दारा सूचना प्राप्त हुई की एक मोटर साईकिल पर तीन संदिग्ध व्यक्ति बैठकर ग्वालियर से आगरा तरफजा रहे है। मुखविर की सूचना पर से पुलिस द्वारा सघन वाहन चेकिंग शुरू की गई कुछ समय बाद रायरू तरफसे एक मोटर साईकिल पर तीन व्यक्ति आते दिखे, पुलिस की चेकिंग देखकर उनके द्वारा बाइक को लौटाने का प्रयास किया लेकिन पुलिस टीम द्वारा उन्हे घेरकर पकड़ लिया और मोटर साइकिल के कागजात मांगे तो ना होना बताया। गहनता से पूछताछ की तो तीनों संदिग्धों ने बताया कि युक्त मोटर साईकिल हम तीनों ने दिनांक 13.04.25 को दोपहर के समय नारायण बिहार कॉलोनी पुरानी छावनी से चोरी की थी, जिसे लेकर आज हम दिल्ली जा रहे थे। उक्त तीनों वाहन चोरों को थाना पुरानी छावनी द्वारा विधिवत गिरफ्तार कर चोरी की मोटर साईकिल को जप्त किया गया। पकड़े गये वाहन चोरों से ग्वालियर शहर में हुई अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। घटना का संक्षिप्त विवरणः- फरियादी संजीव शिवहरे पुत्र श्री रामबाबू शिवहरे उम्र 40 साल नि. नारायण विहार कालोनी पुरानी छावनी ग्वालियर ने रिपोर्ट लेख कराई थी कि दिनांक 13.04.25 को उसने अपनी स्प्लेण्डर मोटर सायकिल क्र. एमपी07-एनजी-5975 ब्लैक सिल्वर रंग की नारायण विहार कालोनी पुरानी छावनी स्थित अपने घर के बाहर ताला लगाकर खडी कर दी थी ओर दोपहर के समय देखा तो मेरी मोटर सायकिल खडे स्थान पर नहीं मिली कोई अज्ञात चोर चुराकर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना पुरानी छावनी में अज्ञात आरोपी के खिलाफबाइक चोरी कर प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

बरामद मशरूकाः- चोरी गई मोटर साईकिल हीरो स्पेण्डर एमपी07-एनजी-5975 की जप्त।

सराहनीय भूमिकाः- थाना प्रभारी पुरानी छावनी उप निरीक्षक क्षमा राजौरिया, सउनि अनूपसिंह भदौरिया, आर. अरविंद यादव, आर. विक्रम तोमर, आर. भानु परमार, आर. अनुवेन्द्र तोमर, सैनिक दिलीप सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु अर्जन देव के प्रकाश पर्व पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिख धर्म के पांचवें गुरु, संत शिरोमणि गुरु अर्जन देव जी के प्रकाश पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु अर्जन देव जी का संपूर्ण जीवन सेवा, त्याग और मानव कल्याण का प्रतीक है। उनके विचार सर्वदा हम सभी को सत्य, सहिष्णुता और धर्मनिष्ठा के मार्ग पर दृढ़तापूर्वक अग्रसर होने की प्रेरणा देते रहेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

Letter No. Dy.CE/RSW/GWL/ROB/407 दिनांक : 20.04.2025

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आंतरी यार्ड स्थित रेलवे समपार फाटक संख्या 407 (रेलवे किमी 1203/5-7) को 60 दिनों के लिए बंद किया जा रहा है। आंतरी यार्ड स्थित रेलवे समपार फाटक संख्या 407 (रेलवे किमी 1203/5-7) को रोड ओवर ब्रिज की लाँचिंग हेतु दिनांक 21.04.2025 प्रातः 08 बजे से दिनांकः 20.06.2025 समय 20 बजे तक अर्थात् शाम आठ बजे तक अस्थायी तौर पर बंद किया जा रहा है। इस दौरान वैकल्पिक मार्ग के रूप में समपार फाटक संख्या 409 (1205/13-15) का उपयोग किया जा सकता है। 684/25 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

संपादकीय

जनता को करारा झटका

दुनिया भर में शेयर बाजार के जबरदस्त तरीके से लुढ़कने के सदमे के दरम्यान ही सरकार ने जनता को घरेलू गैस सिलेंडर में पचास रुपये का इजाफा कर करारा झटका दिया। उपभोक्ताओं को इस वृद्धि के बाद प्रति सिलेंडर 853 या 879 रुपये देने होंगे जो अब तक क्रमशः दिल्ली में 803 रुपये या कोलकाता में 829 रुपये में मिल रहा था। उज्ज्वला योजना के तहत मिलने वाला 14.2 किग्रा. का सिलेंडर अब 553 रुपये में उपलब्ध होगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के अनुसार, आगे इस मूल्य वृद्धि की समीक्षा की जाएगी। अमेरिका-चीन के बीच छिड़े व्यापार युद्ध के चलते अप्रैल, 2021 के बाद कच्चे तेल की कीमतें सबसे निचले स्तर पर हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दुनिया के विभिन्न देशों पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ के बाद शेयर बाजार धड़ाम से गिरा है। निवेशकों में चीन समेत अन्य कई देशों के अमेरिका पर उल्टा नये टैरिफ की घोषणा से टैरिफ वॉर के गंभीर रूप लेने का डर बैठ गया है। इसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी दिखा है, जहां भय और अनिश्चितता के चलते बिकवाली की गहरी मार पड़ी। निवेशकों की घबराहट के बावजूद बाजार के गिरने का सिलसिला मंगलवार को थोड़ा थमता नजर आया। मगर अंतरराष्ट्रीय बाजार के असर से घरेलू शेयर मार्केट का बचना नामुमकिन है। आर्थिक विशेषज्ञ इस ट्रेड वॉर को आर्थिक मंदी की आहट भी मान रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई की मार केवल भारतीय जनता ही नहीं झेल रही है, आम अमेरिकी भी खासा परेशान है। ट्रंप के निर्णयों के बाद अमेरिका में विरोध-प्रदर्शनों का दौर चालू हो चुका है। हालांकि अपने यहां आपसी असहमतियों से बिखरा विपक्ष इस मौके का लाभ लेने में कतई चूक रहा है। पेट्रोल-डीजल के खुदरा मूल्य के न बढ़ने की दलीलों के बावजूद आम उपभोक्ता जल्द ही दाम बढ़ने को लेकर पूरी तरह आशंकित है। जैसे पूर्व में गैस सिलेंडर के दाम दस-दस रुपये बढ़ते रहे हैं। बड़ा तबका अपने सीमित बजट में आसानी से समन्वय कर लेता है। मगर पचास रुपये आम निम्न मध्यवर्गीय की जेब पर पड़ने वाली मामूली राशि नहीं कही जानी चाहिए। वह भले ही छोटा निवेशक न हो पर कंपनियों की आय और मुनाफे पर पड़ रहे ट्रेड वॉर के असर से भी आम नागरिक नहीं बचने वाला। क्योंकि इसके कारण बढ़ी महंगाई के चपेटे में समूची दुनिया आ सकती है। सरकार को तत्काल विचार करने की जरूरत है।

राष्ट्र और मानवता के कल्याण हेतु धर्मानुकूल आचरण को अनिवार्य मानते हैं मोहन भागवत

कृष्णमोहन झा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गत दिवस गुजरात के वलसाड जिले के धरमपुरा में स्थित सदगुरु धाम में श्री भावभावेश्वर महादेव मंदिर के रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से सचेत किया कि भय अथवा प्रलोभन का दैनिक जीवन में सामना करना पड़ सकता है और ये लोगों को उनके धर्म से दूर ले जा सकते हैं लेकिन धर्म ही खुशी की ओर ले जा सकता है। धर्म हमें जोड़ता है और सही रास्ते पर ले जाता है। इसीलिए भय या प्रलोभन के प्रभाव में आकर लोगों को अपना धर्म परिवर्तन नहीं करना चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा कि हम एक जुट होना जानते हैं और एक जुट होना भी चाहते हैं । हम किसी से लडना नहीं चाहते लेकिन आज भी कुछ ऐसी ताकतें मौजूद हैं जो चाहती हैं कि हम अपने आप को बदल बदल दें हमें ऐसी ताकतों से बच कर रहना है।

संघ प्रमुख ने महाभारत काल का एक दृष्टांत देते हुए कहा कि उस काल में धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास करने वाली ताकतें मौजूद नहीं थीं लेकिन दुर्योधन ने पांडवों का राज्य हड़पने के लिए जो कुछ किया वह अधर्म था। संघ प्रमुख ने दैनिक जीवन में धार्मिक आचरण को व्यवहार में लाने का आह्वान करते हुए कहा कि लालच और भय हमें अपनी आस्था से विमुख करते हैं इसीलिए सदगुरु धाम जैसे स्थलों का निर्माण किया गया है। लोगों में धार्मिक चेतना के प्रचार प्रसार हेतु सदगुरु धाम के द्वारा संचालित गतिविधियों एवं कार्यों की सराहना करते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि यह संस्थान सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में जाकर आदिवासियों के उत्थान के लिए सामाजिक गतिविधियों का संचालन कर रहा है। अतीत में जब इस तरह के केंद्रों का अभाव था तब तपस्वी गांव गांव में अपने सत्संग कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को धर्म के मार्ग पर दृढ़ रखते थे लेकिन अब आबादी बढ़ जाने से सदगुरु धाम जैसे केंद्र बन गये हैं जहां समाज के लोग एकत्र हो कर पूजा करते हैं और आध्यात्मिक सत्संग का लाभ प्राप्त करते हैं । यहां उनके कला का अभ्यास करने का अवसर भी मिलता है। संघ प्रमुख ने अपनी इस बात को रेखांकित किया कि सदगुरु धाम जैसे आध्यात्मिक केंद्र लोगों का धर्म परिवर्तन नहीं करते बल्कि उन्हें अपने धर्म पर दृढ़ रहकर धर्म के अनुसार आचरण करने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे केंद्रों को मजबूत करना हमारी जिम्मेदारी है।इसी से हमारा कल्याण , राष्ट्र की सेवा और संपूर्ण मानवता का कल्याण सुनिश्चित होगा।भागवत ने कहा कि धर्म के अभाव में मनुष्य बुरी आदतों में पड़कर जीवन बर्बाद कर लेता है और धर्म के अनुसार आचरण करने से

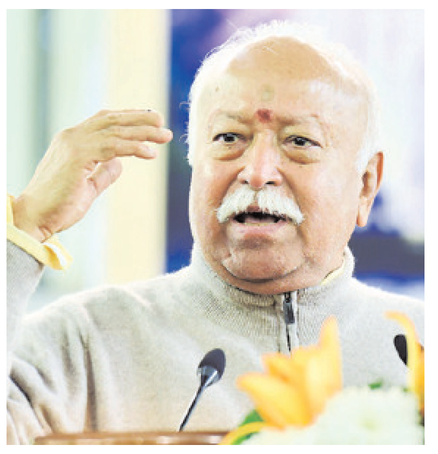

समाज और राष्ट का कल्याण होता है। यही हमारे राष्ट की प्रगति भी सुनिश्चित करता है। भागवत ने कहा कि हमारा सनातन धर्म किसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखता इसीलिए सारी दुनिया भारत की ओर देख रही है । संघ प्रमुख ने कहा कि भारत को अपनी आध्यात्मिक परंपरा के मार्ग पर सतत अग्रसर रहना चाहिए क्योंकि सारी दुनिया मानती है कि भारत के पास ही इस क्षेत्र में सारी दुनिया का नेतृत्व करने का सामर्थ्य है।

गौरतलब है कि गुजरात के वलसाड जिले के अंतर्गत धरमपुरा की हरी-भरी पहाड़ियों के मध्य बसा श्री सदगुरु धाम पिछले ढाई दशकों से दक्षिण गुजरात में विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ है । श्री सदगुरु धाम में निर्मित भगवान भाव भावेश्वर के भव्य मंदिर में दर्शन लाभ हेतु प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है। इस भव्य मंदिर के रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सरसंघचालक मोहन भागवत की उपस्थिति ने इस समारोह को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। 30 मार्च से 6 अप्रैल तक यहां शिव पुराण कथा का आयोजन किया गया जिसे सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लगभग एक माह तक चलने वाले रजत जयंती समारोह में प्रथम दिवस से ही दूर दूर से श्रद्धालुओं के आगमन का क्रम जारी है।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

व्यंग्य: डर बिकता है

विवेक रंजन श्रीवास्तव

हारर फिल्मों में डर का उत्पादन एक फैक्ट्री की तरह होता है– एकदम फॉर्मूला बेस्ड डर, जैसे स्कूल में पीरियड के लिए घंटी बजते ही सारे बच्चे अनुशासन में आ जाते थे, वैसे ही इन फिल्मों में डराने के लिए पत्तों की सरसराहट और बिजली की कड़कड़ होती है। निर्देशक की सोच किसी भूतिया हवेली में जाती है, वहां कैमरा पहुंचते ही पत्ते सरसराने लगते हैं । दरवाजा चूं चरर चूं की आवाज करता है और प्रकाश मद्धिम होता है, मकड़ी के जाले, धूल बोनस में मिलते हैं, पर एक चौकीदार हवेली में जाने किसकी तीमारदारी के लिए सुलभ मिलता है। भूत का भय भूत से बड़ा होता है। डर ही पैदा करना है , तो सीधे भूत को सामने लाइए, ये पेड़ों में लटकाकर भूत को सजा देने मुझे क्या तुक है? और बारिश, हर भूतिया कहानी में बारिश होती ही है? क्या भूतों का मौसम विभाग से कोई अनुबंध है? जहां डर की आवश्यकता हो, वहां तुरंत घनघोर घटा , आंधी आ जाती है। बिजली गायब हो जाती है और आती है, व्हाया आसमान , लरजती चमकती कड़कती है, जैसे किसी पुराने बिजली विभाग के कर्मचारी ने आसमान में एक्स्ट्रा ओवरटाइम लगाया हो। हारर फिल्में एक खास ध्वनि प्रभाव पर जीती हैं। साउंड इंजीनियर के ट्रेक फिक्स हैं, दरवाजा के पल्ले खोलते ही वह चरमराता है, बैकग्राउंड में पायल के घुंघरू छनकाते सफेद वस्त्रावृत महिला दूर जाती दिखती है । इतने पर भी जब समझदार दर्शकों के रोंगटे खड़े नहीं होते तो किसी चमगादड़ को अचानक उड़ाना पड़ता है साउंड इफेक्ट दर्शक में डर भरने का काम करता है।आता है । इस मुकाम के आते आते फिल्म समीक्षक दस में से कितने स्टार देने हैं , तय कर चुकते हैं । हर हारर फिल्म में एक कहानी श्लोक की तरह दोहराई जाती है। पचास साल पहले इस हवेली में एक साध्वी की निर्मम हत्या हुई थी... तबसे उसकी आत्मा यहां भटक रही है। मतलब पचास साल हो गए, और आत्मा अभी भी निकलने वाला मूड नहीं बना पाई ! इतने सालों में उसे कोई आत्मा विकास केंद्र न मिल पाया। ये फिल्मी आत्माएं भी पुरानी हवेलियों में ही क्यों भटकती हैं? रेलवे स्टेशन, नए नए खुल रहे एयर कंडीशन मॉल या बिजली विभाग के दफ्तर में क्यों नहीं दिखतीं? शायद वहां डराने से पहले ही उन्हें टिकट या बिजली बिल भरना पड़ता हो। पुरानी एवरेडी वाली टार्च की रोशनी में जब बुजुर्ग चौकीदार खड़खडाहट की तरफ रोशनी डालता है तो काली बिल्ली नजर आती है । भूत भी इतने सभ्य होते हैं कि हमेशा रात का ही इंतजार करते हैं। दिन में अगर कोई डरावना सीन हो जाए तो सेंसर बोर्ड शायद उस भूत की नागरिकता रद्द कर दे। और जब भूत आता है, तो कैमरा जूम इन करता है–तीन बार, तीन एंगल से–मानो भूत की कोई इंस्टाग्राम रील बन रही हो ! कुछ फिल्मों में तो भूत खुद को इतना स्टाइलिश दिखाते हैं कि लगने लगता है जैसे वो कोई ब्यूटी पार्लर से निकलकर सीधे शूट पर आए हों। बाल लहराते हुए , भूरी आंखों में काजल, और चाल में स्लो मोशन–भूत कम, फैशन शो के प्रतिभागी लगते हैं। नायक या नायिका अकेले किसी कोठरी में जाता है, और वहां दीवार पर खून से लिखा होता है–भाग जा ! लेकिन वो उल्टा पूछता है, कौन है? अरे, लिखा है भाग जा, तो भाग ! पर हॉरर फिल्म का राइटर पंगा लेता ही है। ओझा या तांत्रिक की एंट्री होती है, मनोरंजन डबल , इस बीच एक गाना सैट हो जाता है। बाबा लोग हमेशा काले कपड़े में आते हैं । अग्नि प्रज्ज्वलित की जाती है।

शब्द सामर्थ्य -024

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

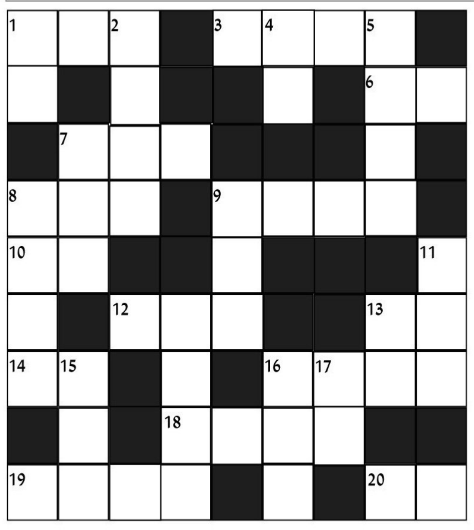

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 023 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	■
प	■	ति	■	■	र	क्ष	क	■
र	ह	मा	न	■	■	■	■	आ
वा	■	■	मि	थु	न	■	दा	स
ह	वा	ला	त	■	सी	ता	■	पा
■	न	■	■	■	ब	क	वा	स
औ	र	त	■	म	■	त	■	■
ला	■	बे	च	ना	■	व	च	न
द	ह	ला	■	ना	ग	र	■	दी

सू- दोकू क्र.024

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.023 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

राशिफल

मेष

आज का दिन बहुत बढ़िया रहेगा। आपको सब्र रखना होगा जिससे आप नई ऊंचाईयों कों छुएंगे। ऑटोमोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आपको धार्मिक जगहों पर घूमने का मौका मिलेगा। आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी टूर पर जाएंगे। प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगों से आप लाभ की प्राप्ति करेंगे। आपके सगे संबंधियों से मेल-जोल बढ़ेगा। किसी नए काम को शुरू करने के लिए आज आप उत्साहित रहेंगे। आज प्रोजेक्ट के काम में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

वृषभ

आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आप अपना नया व्यापार शुरू करेंगे, आप काम पूरे मन से करेंगे। आज नया अनुभव आपको मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और सम्मान बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे। आज आपको किसी से उलझने से बचकर रहना चाहिए। आज किसी दोस्त के घर जाने से दिनभर का सेड्यूल बदल सकता है, घर में खुशियों का माहौल बनेगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मिथुन

आज का दिन सुखमय रहेगा। आप में साहस बढ़ेगा और साहसपूर्ण काम करने में सक्षम रहेंगे। आपको गृह भूमि का लाभ मिलेगा। प्रभावशाली काम को करने का अवसर मिलेगा। जिंदगी में नया कदम उठाने का अवसर मिलेगा। धैर्य से काम करना होगा, जिससे काम का पूरा रिजल्ट मिलेगा। अपनी कार्य कुशलता को बढ़ाने के लिए आप नई तकनीकों को अपनाएंगे। किसी मित्र के साथ धार्मिक स्थल पर घूमने जाएंगे। लवमेट के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। दांपत्य जीवन में नई-नई खुशियां आएंगी।

कर्क

आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी चल रही समस्याओं से राहत मिलेगी और आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। अपने व्यक्तित्व को व्यवस्थित रखने के लिए आत्म मनन करना जरूरी है। आपकी आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज अनुकूल परिणाम मिलने से आप अपने अंदर भरपूर ऊर्जा और सुकून महसूस करेंगे। कुल मिलाकर आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह

आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। आप एक नई दिशा में अपना काम करेंगे। नया वाहन खरीदने का विचार दोस्तों से करेंगे, आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज आपके अन्न-धन में बढ़ोतरी होगी। आप जिस पद पर कार्यरत है उसकी जिम्मेदारी अच्छे से निभाएंगे। आज आपके पारिवारिक सुख शांति में बढ़ोतरी होगी। किसी नजदीकी रिश्तेदार की परेशानी हल करने में आपका विशेष योगदान रह सकता है। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, जल्द सफलता मिलने के योग बने हुए हैं।

कन्या

आज आपका दिन खुशियां लाएगा। आप घर पर लोगों के साथ अपना मत रखेंगे, लोग आपकी बातों से सहमत होंगे। संतान के स्वास्थ्य पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। पेट की समस्या के लिए किसी अच्छे डॉक्टर से आप मिलेंगे, जिससे आपको कुछ राहत मिलेगी। आपको व्यापारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा। संयम रख कर काम करने से कार्य जल्द ही पूरा होगा। नेगेटिव बातों से दूर रहें और पॉजिटिव विचारो को अपनाएंगे। महिलाएं आज घर के कामों के बिजी रहेंगी, बच्चों के लिए नई-नई डिशेज बनाएंगी।

तुला

आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज आपके दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहने से खुशियां बढ़ेगी। आज परिवार के लोगों का साथ मिलेगा, जिससे किसी समस्या का समाधान मिल जाएगा। आज सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। आज आपके काम करने की कला से लोग प्रभावित होंगे। इस राशि के छात्र अपनी पढ़ाई और करियर को लेकर गंभीर रहेंगे। आज आपको सामाजिक स्तर पर लोगों की मदद के लिए मौका मिल सकता है।

वृश्चिक

आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी मिलेगी। आज किसी भी मामले को गुस्से की बजाए शांति से सुलझाएं। आज सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर करने का प्रोग्राम बनायेंगे, जिससे रिश्तों में मिठास आएगी।

धनु

आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखाएगा। पारिवारिक सुख सुविधा का लाभ मिलेगा। आप किसी राजनेता से सम्पर्क करेंगे। आज आप फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों कों गति देंगे, अपनी योजना में जोड़ने के लिए आपको अन्य सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है। आप आज भक्तिमय रहेंगे। आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। कुछ समय अपने लिए जरूर निकालें। घर से दूर रहकर जॉब करने वाले लोगों को आज अपने परिवार से मिलने का मौका मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी।

मकर

आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज व्यावसायिक गतिविधियों में समय अनुसार परिवर्तन करने की जरूरत है। साथ ही कर्मचारियों और स्टाफ पर भी अनुशासन रखेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आज नए वाहन का सुख मिलने के योग हैं। आज जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलने से आपको खुशी होगी। कुल मिलाकर आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा। आज आपको अपने कार्यों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा। आपका काम करीबी दोस्त की सहायता से पूरा हो जाएगा। आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी से व समय से पूरा हो जाएगा। घर में व्यवस्थित और खुशनुमा माहौल बना रहेगा। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों को आज बड़ी सफलता मिलने वाली है। आज परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जाएंगे।

मीन

आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। आज लवमेट लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे, एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा। आज ऑफिशियल यात्रा करना आपकी तरक्की में सहायक होगा। दांपत्य रिश्ता सुखद बना रहेगा। आज कला और साहित्य में रुझान रहेगा। अपनी तारीफों पर खुश होने की बजाय काम पर ज्यादा ध्यान दें। कार्यक्षेत्र में गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी।

सारी माया कुर्सी की, गद्दी की

हरिशंकर व्यास

यों यह सवाल गलत है। इसलिए क्योंकि हम हिंदुओं में महिमा 'गद्दी' की है विचार की नहीं! 'गद्दी' याकि 'आसन' जो होता है उस पर कोई भी बैठे वही फिर सर्वज्ञ है, देवज्ञ है। तब दिमाग और विचारने की भला क्या जरूरत। गद्दी 'प्रधानमंत्री' की हो या मुख्यमंत्री, पीठ या मठ विशेष की। या फिर कोलकत्ता के कपड़ा बाजार में दुकानदार या औद्योगिक घराने की 'गद्दी'। जो भी गद्दी पर बैठा वह 'गद्दी' की विरासत, शक्ति, दिमाग से ईश्वर और मालिक बना होता है। 'गद्दी' की वाणी ही तब व्यक्ति के मुंह से सुनाई देगी।

इसलिए गुजरे सप्ताह जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नागपुर के संघ मुख्यालय गए, मोहन भागवत से सीधे मुलाकात की तो चर्चा स्वभाविक थी कि प्रधानमंत्री की गद्दी पर विराजमान नरेंद्र मोदी और आरएसएस की गद्दी के प्रमुख मोहन भागवत में क्या बात, क्या विचार हुआ? ध्यान रहे प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी यों तीन-चार दफा नागपुर गए है लेकिन वे कभी संघ मुख्यालय नहीं गए। पहली बार वे माधव नेत्रालय के प्रीमियर सेंटर की आधारशिला के कार्यक्रम के बहाने संघ मुख्यालय गए। मेरा मानना है ऐसा होना नरेंद्र मोदी के शुकराचार्य महाराज सुरेश सोनी के समझाने से हुआ होगा।

आखिर प्रधानमंत्री का एक साल और पूरा होने को है। उन्हे पार्टी का नया अध्यक्ष तय करना है। तो उससे पहले औपचारिकता के ही खातिर मैसेज बनना चाहिए कि वे तो संघ के ही है। उनका फैसला संघ का फैसला। सो अब वे किसी को भी अध्यक्ष बनाएंगे तो सभी मानेंगे मोहन भागवत से पूछकर किया होगा।

फालतू की बाते है। नरेंद्र मोदी एकमेव वैसे ही आज सर्वेश्वर है जैसे नेहरू प्रधानमंत्री बनने के बाद कांग्रेस संगठन और गांधी के आईडिया के परम पितामह थे। मैं इन दिनों भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का इतिहास खगाल रहा हूं। और सत्व-तत्व यही निकलता है कि हिंदुओं की नियति है सत्ता की अधीनता।

तभी नेहरू ज्योंहि अंतरिम प्रधानमंत्री बने, सरदार पटेल उनके गृहमंत्री हुए तो उस समय का रिकार्ड है कि दोनों ने गांधी की अनसुनी की। 1947 से पहले ही गांधी के डायलाग थे ङ्क मैं

वर्तमान कांग्रेस नेतृत्व को चुनौती नहीं दे सकता। मैं क्या कर सकता हूँ? आदि, आदि।

इसलिए अटलबिहारी वाजपेयी की 'गद्दी' की सर्वज्ञता के आगे कभी सुदर्शन बेबस थे तो सत्ता की 'गद्दी' पर विराजमान लाइव सर्वज्ञ नरेंद्र मोदी के आगे भला क्या तो मोहन भागवत और क्या 140 करोड़ लोगों का दिमाग।

एक समय में एक ही भगवान अवतरित होते है

इस मामले में जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी में सचमुच कोई फर्क नहीं है। नेहरू ने भी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अपनी सर्वज्ञता में भारत को विश्वगुरू, समाजवादी, निर्गुट-तटस्थ, दुनिया को रास्ता बतलाया था। अब नरेंद्र मोदी भारत को विश्वगुरू बना चुके है। विकसित बना देंगे। नेहरू के सामने भी चीन का संकट था, गरीबी-बेरोजगारी का संकट था, भूखमरी के आगे राशन के फार्मूले थे अब आबादी की संख्या और भूख तथा बेरोजगारी के नए रूप है।

तो उनके रामबाण समाधान में हिंदू बनाम मुस्लिम झगड़ा और रेवडियां है ताकि लोग बहके रहे। सोचना बंद रखें।

सदियों पुराना इतिहास है कि हम हिंदू 'गद्दी' पर बैठे राजा, संत, सेठ, हाकिम के आगे हमेशा समर्पित रहते आए है। भक्ति में रहते है। खौफ में रहते है। दोनों तरफ दिमाग और उसका सोचना-विचारना संभव ही नहीं है। जिसकी जितनी बड़ी गद्दी उस पर बैठे व्यक्ति की उतनी बड़ी 'लाइव' उपस्थिति और महानता। इसलिए इन बातों का अर्थ नहीं है कि प्रधानमंत्री ने संघ की तारीफ में क्या-क्या कहां, कब-कब कहां? और संघ उन पर कितना फिदा हुआ। हर फैसला नरेंद्र मोदी का है। पार्टी अध्यक्ष भी केवल उनके टिक से वैसे ही बनेगा जैसे राष्टपति, उपराष्टपति या मंत्री होते है। सत्ता की प्रधानमंत्री 'गद्दी' के आगे भारत सदैव एक भाव में रहेगा। न इधर विचार और हिम्मत संभव है और न उधर। सारी माया कुर्सी की, गद्दी की। उस नाते हमारी उपलब्धि इतनी भर है कि 1947 से जैसे भी हो दिल्ली का तख्त, उसकी 'गद्दी' पर हिंदुओं के आने-जाने का सिलसिला बना हुआ है।

00

हैती पर भुखमरी का संकट- जून तक आधी से अधिक आबादी गंभीर खतरे में होने की आशंका

गाजा, (ए.)। हैती एक गहरे मानवीय संकट की ओर बढ़ रहा है, जहां देश की आधी से अधिक आबादी जून 2025 तक गंभीर भुखमरी की चपेट में आ सकती है। संयुक्त राष्ट्र समर्थित संस्था एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण (आईपीसी) की ताजा रिपोर्ट में यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार लगातार गिरती अर्थव्यवस्था, सुरक्षा की गंभीर स्थिति, और सशस्त्र गिरोहों के बीच बढ़ती हिंसा इस आपात स्थिति के मुख्य कारण हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में लगभग 57 लाख हैतीवासी गंभीर खाद्य असुरक्षा की स्थिति में हैं। इसके अलावा, 8,400 लोग ऐसे अस्थायी आश्रयों में रह रहे हैं, जहां भुखमरी का खतरा और भी अधिक है। पहले इन शरणस्थलों में भोजन और पेयजल की आपूर्ति नियमित रूप से की जाती थी, लेकिन अमेरिका की ओर से विदेशी सहायता अनुबंधों में 90त्न तक की कटौती के बाद हालात और बिगड़ गए हैं।

रिपोर्ट बताती है कि अगस्त 2024 से फरवरी 2025 तक करीब 9.77 लाख लोगों को मासिक खाद्य सहायता मिली, लेकिन उनमें से अधिकतर को आधा राशन ही मिल पाया। इससे यह साफ होता है कि हालात तेजी से गंभीर हो रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय सहायता की सख्त जरूरत है। इस बीच यूनिसेफ ने भी चिंता जताई है कि देश में करीब 28.5 लाख बच्चे भुखमरी का सामना कर रहे हैं, जो हैती के भविष्य के लिए एक गहरी चेतावनी है।

भुखमरी के प्रमुख कारण

सशस्त्र गिरोहों का नियंत्रण- राजधानी पोर्ट-औ-प्रिंस समेत कई क्षेत्रों में हथियारबंद गिरोहों का बोलबाला है, जिससे सामान्य जीवन ठप हो गया है। राजनीतिक अस्थिरता और भ्रष्टाचार- लंबे समय से चली आ रही सरकारों की असफलताएं और प्रशासनिक ढांचे की कमजोरियां स्थिति को और जटिल बना रही हैं। आर्थिक पतन- मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के उच्च स्तर ने आम जनता की क्रय शक्ति को समाप्त कर दिया है। विदेशी सहायता में कटौती- अमेरिका सहित अन्य देशों से आने वाली सहायता में भारी गिरावट के कारण राहत प्रयास सीमित हो गए हैं।

हैती में भुखमरी एक मानवीय त्रासदी का रूप ले चुकी है, जिसे टालने के लिए तुरंत और ठोस अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अगर हालात पर जल्द काबू नहीं पाया गया, तो यह संकट लाखों लोगों की जान के लिए खतरा बन सकता है, खासकर उन बच्चों के लिए, जो पहले से ही कुपोषण की मार झेल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संगठनों को अब निर्णायक कदम उठाने होंगे ताकि हैती को इस भीषण मानवीय

टाइप-5 डायबिटीज को लेकर चिकित्सा जगत में नई हलचल

न्यूयॉर्क, (ए.)। हाल ही में कम जानी-पहचानी बीमारी टाइप-5 डायबिटीज को लेकर चिकित्सा जगत में नई हलचल मच गई है। हाल ही में थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन (आईडीएफ) की बैठक में इसे पहली बार औपचारिक रूप से टाइप-5 डायबिटीज नाम दिया गया।

यह मधुमेह की एक अनोखी किस्म है, जो खासतौर पर कमजोर और कुपोषित युवाओं में पाई जाती है। इस बीमारी का पहली बार ज़िक्र 1955 में जमैका में हुआ था, जहां इसे जे-टाइप डायबिटीज कहा गया था। 1960 के दशक में भारत, पाकिस्तान और अफ्रीका जैसे देशों में कुपोषित किशोरों और युवाओं में इसके लक्षण देखे गए। 1985 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएच) ने इसे एक अलग प्रकार की डायबिटीज माना, लेकिन 1999 में शोध की कमी के कारण यह मान्यता वापस ले ली गई। अब, करीब सात दशक बाद, दुनिया फिर से इस बीमारी को गंभीरता से लेने लगी है। विशेषज्ञों का कहना है कि टाइप-5 डायबिटीज, टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज से पूरी तरह अलग है। पहले माना जाता था कि यह बीमारी इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण होती है, लेकिन अब यह साफ हो चुका है कि इन मरीजों के शरीर में इंसुलिन बनता ही नहीं है।

अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित अल्बर्ट आइंस्टीन कॉलेज ऑफ मेडिसिन की प्रोफेसर मेरीडिथ हॉकिंस के मुताबिक, यह खोज डायबिटीज को समझने के नजरिए को पूरी तरह बदल देती है। 2022 में प्रकाशित एक अध्ययन में डॉ. हॉकिंस और उनकी टीम ने यह साबित किया कि टाइप-5 डायबिटीज न तो टाइप-2 की तरह मोटापे से जुड़ी है और न ही टाइप-1 की तरह ऑटोइम्यून। इसके बावजूद, इस बीमारी के इलाज को लेकर चिकित्सा समुदाय अब भी स्पष्ट नहीं है, और कई मरीजों की मौत एक साल के भीतर ही हो जाती है। आईडीएफ ने अब एक विशेष टीम गठित की है, जो अगले दो वर्षों में इस बीमारी की पहचान के मापदंड और इलाज के दिशा-निर्देश तय करेगी।

अमेरिका ने कोविड लैब लीक के लिए चीन को ठहराया जिम्मेदार

– व्हाइट हाउस ने एक वेबसाइट में चीन को कोरोना वायरस उत्पत्ति के लिए जिम्मेदार बताया

वाशिंगटन, (ए.)। विश्वभर में कोरोना वायरस के मुद्दे पर तनाव बढ़ता जा रहा है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा व्हाइट हाउस की एक नई साइट के नए दावों ने सियासी तबाही मचा दी है। व्हाइट हाउस ने एक वेबसाइट लॉन्च की है, जिसमें उन्होंने चीन को कोरोना वायरस की उत्पत्ति के लिए जिम्मेदार ठहराने के आरोप लगाए हैं। साइट के मुताबिक व्हाइट हाउस का दावा है कि वुहान के एक लैब से कोरोना वायरस की उत्पत्ति हुई थी, जिसे उन्होंने लीक किया गया। इस बड़े दावे के साथ, पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, अमेरिकी तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य अधिकारी भी इस विवाद में प्रामुख भूमिका निभा रहे हैं। इस घटना के पीछे की कहानी को स्पष्ट करने के लिए व्हाइट हाउस की नई वेबसाइट ने एक पूरे पेज को कोविड-19 लैब-लीक थ्योरी के समर्पित किया है। इसके साथ ही, व्हाइट हाउस ने बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि पूर्व सरकार ने सत्य को छुपाने के लिए विभिन्न तरीकों का सहारा लिया था। व्हाइट हाउस की वेबसाइट ने पांच मुख्य बिंदुओं को सूचीबद्ध किया है, जो कोविड-19 की उत्पत्ति पर नए संदर्भ और विचार प्रस्तुत करते हैं। इसके साथ ही, इस नई साइट ने डॉ. फाउसी और बाइडेन के ऊपर उठे गए आरोपों के बारे में भी जोर दिया है। यह बात दिलचस्प है कि इस नई वेबसाइट के द्वारा प्रस्तुत किए गए दावे पर कितनी सच्चाई है और क्या यह एक नया सियासी खेल है, इसका हवाला की जा रहा है। इस विवाद से जुड़े सभी पक्षों की बयानबाज़ी तेजी से चल रही है और यह दिखता है कि कोरोना के रोग निरोधन के बाद अब राजनीतिक मुद्दों से भी जुड़ी लड़ाई तेज हो रही है।

ट्रंप के फैसले को चुनौती: भारतीयों समेत 1100 से अधिक छात्रों के निर्वासन की आशंका

वॉशिंगटन, (ए.)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों से प्रभावित अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मदद के लिए एक बड़ा मुकदमा दायर किया गया है। इस मुकदमे में अदालत से अनुरोध किया गया है कि इन छात्रों की कानूनी स्थिति फिर से बहाल की जाए। इस फैसले से करीब 1100 से ज्यादा विदेशी छात्र प्रभावित हुए हैं, जिन्हें अमेरिका से निकाले जाने का डर सता रहा है।

मार्च के अंत से अब तक 170 से ज़्यादा यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में पढ़ रहे करीब 1,100 छात्रों के वीज़ा या कानूनी स्थिति को खत्म कर दिया गया। ये सब बिना किसी उचित सूचना के हुआ। मीडिया रिपोर्ट की माने तो अभी और भी छात्रों के ट्रंप के इस फैसले से प्रभावित होने की संभावना है। वहीं छात्रों का कहना है कि उन्हें न तो कोई चेतावनी दी गई, न ही सफाई का मौका मिला। कुछ मामलों में तो बहुत पुराने और मामूली ट्रैफिक उल्लंघन को भी बहाना बना लिया गया।

बता दें कि यह मुकदमा अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) और उससे जुड़े कई संगठनों ने मिलकर दायर किया है। ये न्यू इंग्लैंड और प्यूर्टो रिको के 100 से अधिक छात्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मामले में एसीएलयू न्यू हैम्पशायर के कानूनी निदेशक गिल्स बिस्नोनेट ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय छात्र हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का एक अहम हिस्सा हैं। किसी भी सरकार को यह अधिकार नहीं है कि वो छात्रों की स्थिति अचानक खत्म कर दे और उन्हें उनकी पढ़ाई पूरी किए बिना देश से निकालने की कोशिश करे। ट्रंप के इस फैसले से भारत और चीन के भी कई छात्र प्रभावित हुए है। इसमें भारत के मणिकांत पासुला, जो न्यू हैम्पशायर के रिवियर यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स कर रहे थे, अब अमेरिका में पढ़ाई पूरी करने और नौकरी की संभावना खो चुके हैं।

संकट से जूझ रही पाकिस्तानी एयरलाइंस, अब निजी हाथों में देने की तैयारी

इस्लामाबाद, (ए.)। पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने सरकारी विमानन कंपनी 'पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस' को बेचने के प्रयास विफल रहने के बाद इसकी बिक्री की नए सिरे से कोशिश करने का फैसला किया है। नकदी संकट से जूझ रही पीआईए के निजीकरण पर सालों से विचार किया जा रहा है और इसके लिए 2024 में बोली लगाई गई थी लेकिन सरकार बड़ा खरीदार आकर्षित करने में विफल रही और बोली लगाने वाली एकमात्र कंपनी ने मात्र 10 अरब रुपए की पेशकश की जिसे अस्वीकार कर दिया गया था।

पाकिस्तान के निजीकरण और निवेश मंत्री अब्दुल अलीम खान ने पिछले महीने कहा था कि पीआईए के निजीकरण का काम मई तक पूरा कर लिया जाएगा। निजीकरण आयोग की बैठक में अगले सप्ताह से बिक्री प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया गया है। बयान में कहा गया कि पीआईएसीएल के पृथक्करण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति का एक नया विज्ञापन अगले सप्ताह प्रकाशित करने की योजना है। इसमें कहा गया कि एजेंडे के शेष मदों पर विचार करने के लिए बैठक की जाएगी।

पीआईए पिछले कई सालों से वित्तीय संकट से जूझ रही है। यह समस्या 2023 में तब आई जब पीआईए के 7,000 कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया। इससे पहले यूरोपीय संघ ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 2020 में पीआईए पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अमेरिका ने साफ कर दिया वो यूक्रेन का क्रीमिया इलाका रूस को दिलाकर रहेगा

वॉशिंगटन, (ए.)। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध चल रहा है। इसे रोकने के लिए तमाम प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। अमेरिका यहां शांति बहाल कराने की कोशिश कर रहा है। जबकि यूक्रेन का आरोप है कि अमेरिका पक्षपात कर रहा है और निष्पक्ष न्याय में विश्वास नहीं कर रहा है। उसका कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप रूस का फायदा करवाना चाहते हैं। वहीं अमेरिका ने खुलकर जता दिया है कि वह क्रीमिया के यूक्रेनी इलाके को भी रूस को ही दिलवा देना चाहता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों को अल्टिमेटम देते हुए कहा है कि अगर दोनों अड़ियल रवैया अपनाते हैं तो वह पीस डील को ही छोड़ देंगे। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शुक्रवार को कहा कि अगर तत्काल युद्धविराम को

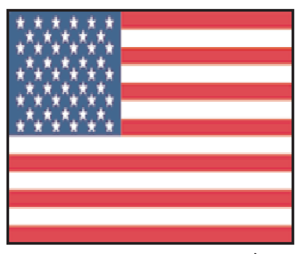

लेकर कोई प्रगति नहीं होती है तो अमेरिका इससे दूरी बना लेगा। 2014 में क्रीमिया पर रूस ने कब्जा कर लिया था। इसके बाद रूस ने यहां जनमत संग्रह भी करवाया था। हालांकि वैश्विक समुदाय ने इसे रूस का हिस्सा मानने से इनकार कर दिया था। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की बार-बार कह चुके हैं कि वह इसे रूस को सौंपने को तैयार नहीं है। हालांकि अगर अमेरिका पीस डील के बदले इस मामले में रूस का साथ देने को तैयार हो जाता है तो उसे बड़ा फायदा मिलने वाला है। इसी बहाने क्रीमिया को रूस का हिस्सा माना जा सकता है। फिलहाल पुतिन ने भी डोनाल्ड ट्रंप की पीस डील को मानने से इनकार किया है। क्रीमिया को लेकर अमेरिका विदेश मंत्रालय ने कोई स्पष्ट बात नहीं कही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता अब ऐसे स्तर पर पहुंच चुकी है, जिसमें कुछ निष्कर्ष निकलना चाहिए, लेकिन दोनों में से कोई भी देश उनके (ट्रंप) युद्ध समाप्त कराने के प्रयासों का समर्थन नहीं कर रहा है।ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, अगर किसी कारण से दोनों में से कोई एक पक्ष इसे बहुत कठिन बना देता है तो हम कह देंगे कि आप मूर्ख हैं ।

खेल/व्यापार

संक्षिप्त समाचार

द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के बीच अमेरिका दौरे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली ,एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 20-25 अप्रैल के बीच अमेरिका दौरे पर रहेंगी, जहां वह कई बहुपक्षीय संवादों में भाग लेंगी। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से दी गई। वित्त मंत्री सीतारमण का यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं। मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, अपने अमेरिका दौरे पर वित्त मंत्री सैन फ्रांसिस्को और वाशिंगटन डीसी जाएंगी। सैन फ्रांसिस्को में, वित्त मंत्री सीतारमण स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन में 'विकसित भारत 2047 की नींव' विषय पर मुख्य भाषण देंगी, जिसके बाद एक फायरसाइड चैट सेशन होगा। वित्त मंत्री निवेशकों के साथ एक गोलमेज बैठक के दौरान प्रमुख फंड मैनेजमेंट फर्मों के शीर्ष सीईओ के साथ बातचीत करेंगी, इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को स्थित शीर्ष आईटी फर्मों के सीईओ के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगी। मंत्रालय ने कहा कि वह सैन फ्रांसिस्को में भारतीय प्रवासियों से जुड़े एक कार्यक्रम में भी भाग लेंगी और वहां बसे भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगी। वाशिंगटन डीसी में, वित्त मंत्री सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वसंतकालीन बैठकों, जी-20 वित्त मंत्रियों की दूसरी और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठकों, विकास समिति के पूर्ण अधिवेशन, आईएमएफसी के पूर्ण अधिवेशन और जीएसडीआर बैठक में भाग लेंगी। इन बैठकों के साइडलाइन में वित्त मंत्री कई देशों के समकक्षों के साथ बैठक भी करेंगी, जिसमें अर्जेंटीना, बहरीन, जर्मनी, फ्रांस, लक्जमबर्ग, सऊदी अरब, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका का नाम शामिल है।

इसके अलावा वित्त मंत्री 26-30 अप्रैल के बीच पेरू का दौरा करेंगी। अपनी यात्रा के दौरान वित्त मंत्री पेरू के राष्टपति दीना बोलुआर्टे और प्रधानमंत्री गुस्तावो एड्रियनजेन से मुलाकात करने के अलावा, पेरू के वित्त और अर्थव्यवस्था, रक्षा, ऊर्जा और खान मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। साथ ही, सीतारमण स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत कर सकती हैं। मंत्रालय ने कहा कि वित्त मंत्री भारत-पेरू व्यापार मंच की बैठक की भी अध्यक्षता करेंगी, जिसमें भारत और पेरू दोनों देशों के प्रमुख व्यापार प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

केंद्र सरकार देश में किफायती सीएनजी और पीएनजी उपलब्ध कराने के लिए उठा रही जरूरी कदम

नई दिल्ली ,एजेंसी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसने घरेलू प्राकृतिक गैस के लिए आवंटन ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से जरूरी कदम उठाए हैं, जो क्लीन एनर्जी तक पहुंच को बढ़ावा देने, शहरों में एयर क्वालिटी में सुधार और घरेलू ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के केंद्र के विजन के अनुरूप है। सरकार ने कहा, वाहनों में उपयोग होने वाली सीएनजी और घरों में खाना बनाने के लिए उपयोग होने वाली पीएनजी की उपलब्धता बनाए रखने और उन्हें किफायती बनाने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने घरेलू गैस आवंटन नीति को शुरू किया है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में सीएनजी (टी) और पीएनजी (डी) सेगमेंट के लिए घरेलू प्राकृतिक गैस का आवंटन दो-तिमाही अग्रिम आधार पर किया जाएगा। आवंटन में अब ओएनजीसी और ओआईएल को दिए गए फील्ड से न्यू वेल गैस (एनडब्ल्यूजी) भी शामिल होगी। गेल और ओएनजीसी द्वारा किए गए अनुमानों से सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों को अग्रिम रूप से आपूर्ति की जानकारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, जिससे योजना और वितरण दक्षता में वृद्धि होगी। मंत्रालय ने आगे बताया, समय पर और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एनडब्ल्यूजी के लिए नीलामी आधारित आवंटन को तिमाही प्रो-राटा आवंटन के साथ बदल दिया गया है।

जीत के बावजूद गुजरात के कप्तान शुभमन गिल को झटका

बीसीसीआई ने पाया इस गलती के लिए दोषी; ठोका जुर्माना

अहमदाबाद,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर धीमी ओवर गति के कारण जुर्माना लगा दिया है। बोर्ड ने उन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना ठोका है। आईपीएल ने इसको लेकर जारी बयान में कहा- यह आईपीएल की आचार संहिता की धारा 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है इसलिए शुभमन गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

गुजरात ने दर्ज की शानदार जीत

गुजरात ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट से जीत दर्ज की थी। इस मैच में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए थे। जवाब में बटलर ने 54 गेंदों पर 11 चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन बनाए जिससे गुजरात ने 19.2 ओवर में तीन विकेट पर 204 रन बनाकर मैच जीत लिया।

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल में हासिल किया अपना सबसे बड़ा लक्ष्य

गुजरात ने इस तरह आईपीएल में अपना सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया।

इससे पहले टीम ने कभी भी 200+ रनों का लक्ष्य हासिल नहीं किया था। दिल्ली ने इस मैच से पहले चार बार 200 से अधिक रनों का लक्ष्य का पीछा किया था, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिली थी। यह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी किसी टीम का सबसे बड़ा लक्ष्य है।

अर्जुन बाबुता मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूके, भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर

लीमा (पेरू)। पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि आर्या बोरसे महिलाओं की स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं। पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गए। विश्व कप में 40 से अधिक पदक जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल शामिल थे। भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा। फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरुआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा। पाटिल के बाहर हो जाने के बावजूद बाबुता शांत रहे और उन्होंने 14वें शॉट के बाद पहली बार बढ़त ले ली। शेंग ने इसके बाद अच्छी वापसी की। बाबुता को एक समय 0.3 अंक की मामूली बढ़त हासिल थी लेकिन चीन के निशानेबाज में 10.9 अंक का निशाना साधकर बढ़त बना दी। बाबुता का अंतिम स्कोर 10.5 फिर से बढ़त हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था, क्योंकि शेंग ने 10.3 के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम पक्का कर दिया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में बाबुता ने पहली रिले में 631.9 का मजबूत स्कोर बनाया, जबकि शेंग ने 635.0 के साथ सहजता से शीर्ष स्थान हासिल किया। पाटिल ने दूसरी रिले में 632.0 का स्कोर बनाकर ग्रुप का नेतृत्व किया और कुल मिलाकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारत के हृदय हजारिका मामूली अंतर से फाइनल में जगह बनाने से चूक गए और 629.3 के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रहे। आईएसएसएफ विश्व कप सर्किट के दूसरे चरण में 10 मीटर एयर राइफल महिला स्पर्धा में आर्या ने शनिवार को 633.9 का शानदार स्कोर बनाकर पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। वह मौजूदा जूनियर विश्व चैंपियन और स्वर्ण पदक विजेता चीन की वांग ज़िफेई से पीछे रहीं। चीन की निशानेबाज ने इस दौरान तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए। आर्या 24 शॉट के फ़ाइनल के 18वें शॉट के बाद बाहर हो गईं। उनका स्कोर 188.1 था। चीन ने इस स्पर्धा में तीनों पदक जीते। हान जिया ने रजत जबकि फैन ज़िनी ने कांस्य पदक जीता।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी में सरकार ने अब तक झुग्गीवासियों को वितरित किए 90 लाख घर

नई दिल्ली ,एजेंसी। सरकार द्वारा सोमवार को संसद में कहा गया कि 3 मार्च 2025 तक प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को 90.60 लाख घर दिए गए हैं। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तोखन साहू ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि पीएमएवाई-यू के तहत मंत्रालय द्वारा कुल 118.64 लाख मकानों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 112.46 लाख मकानों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और 3 मार्च 2025 तक 90.60 लाख मकान पूरे हो चुके हैं या लाभार्थियों को वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि फंडिंग पैटर्न और कार्यान्वयन पद्धति में बदलाव किए बिना स्वीकृत घरों को पूरा करने के लिए योजना की अवधि 31 दिसंबर, 2025 तक बढ़ा दी गई है। राज्य मंत्री ने कहा कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) 25 जून, 2015 से पीएमएवाई-यू के तहत केंद्रीय सहायता प्रदान करके राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की सहायता कर रहा है, जिससे देश भर में मलिन बस्तियों सहित शहरी क्षेत्रों में पक्के मकान उपलब्ध कराए जा सकें। राज्य मंत्री साहू ने कहा कि पीएमएवाई-यू के कार्यान्वयन के नौ वर्षों के अनुभवों से सीख लेकर मंत्रालय ने इस योजना को नया रूप दिया है और एक करोड़ अतिरिक्त पात्र लाभार्थियों के लिए 1 सितंबर, 2024 से पीएमएवाई-यू 2.0 'सभी के लिए आवास' मिशन शुरू किया है। राज्य मंत्री ने कहा कि अब तक 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं और ऐसे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 6.77 लाख घरों की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश भर में 1.39 करोड़ परिवारों के कुल 6.54 करोड़ लोग झुग्गियों में रह रहे हैं। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों का यह आंकड़ा 2011 में की गई अंतिम जनगणना पर आधारित है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस को मिला 3.67 करोड़ रुपये का जीएसटी डिमांड नोटिस

मुंबई ,एजेंसी। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी को 3.67 करोड़ रुपये का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) डिमांड नोटिस मिला है।

कंपनी ने आगे कहा कि यह नोटिस मुंबई के जीएसटी कमीश्नर (अपील) की ओर से दिया गया है। यह नेटिस सर्विस टैक्स क्रेडिट पर विवाद से संबंधित है जिसे कंपनी ने 2017 में जीएसटी सिस्टम लागू होने पर कैरी फॉरवर्ड किया था। कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा, कंपनी को 17 अप्रैल को मुंबई के सीजीएसटी एवं सेंट्रल एक्साइज (अपील) कमीश्नर से एक आदेश प्राप्त हुआ है, जिसमें टैक्स डिमांड को बरकरार रखा गया है। इससे पहले, 2 जुलाई, 2024 को मुंबई में स्टेट गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (सीजीएसटी) विभाग ने एक आदेश पारित कर उस सर्विस टैक्स क्रेडिट के हिस्से को अस्वीकार कर दिया था, जिसे कंपनी ने 2017-18 वित्तीय वर्ष के दौरान जीएसटी फ्रेमवर्क में ट्रांसफर कर दिया था। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने जीएसटी कमीश्नर के पास अपील की।

हालांकि, कंपनी को अब फिर से जीएसटी डिमांड नोटिस दे दिया गया है, जिसमें देनदारी के साथ जुर्माने की राशि भी शामिल है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंश्योरेंस ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, कंपनी को 17 अप्रैल, 2025 को दोपहर 2.22 बजे, मुंबई के सीजीएसटी और सेंट्रल कस्टम कमीश्नर (अपील) से टैक्स डिमांड को बरकरार रखने का आदेश मिला है। डिमांड नोटिस में 1.83 करोड़ रुपये की टैक्स देनदारी है, जबकि इतनी ही राशि का जुर्माना है, जिसके कारण कंपनी को 3.67 करोड़ रुपये टैक्स नोटिस दिया गया है।

डकैती एवं महिला से छेड़छाड़ के 3 आरोपी गिरफ्तार, दो इनामी बदमाश फरार

छह घरों में चोरी की, डरने हवाई फायरिंग भी की

शिवपुरी ब्यूरो। बैराड़ थाना पुलिस ने बन्हेंराखुर्द गांव में आदिवासियों के साथ डकैती एवं महिला से छेड़छाड़ के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक देशी कट्टा, लूटा गया मोबाइल, चांदी के जेबर एवं 4900 रूपए नगदी बरामद किया है। जानकारी के अनुसार बैराड़ थाना क्षेत्र में 13 अप्रैल की रात करीब 1 बजे पांच नकाबपोश हथियारबंद बदमाश गांव में घुसे। उन्होंने तीन घंटे तक छह से ज्यादा घरों में डकैती की। एक महिला से छेड़छाड़ की। लोगों को डराने के लिए हवाई फायरिंग भी की। पुलिस ने 19 अप्रैल को तीन आरोपियों को पकड़ा। जिनकी पहचान पंजाब उर्फ रॉकी यादव उम्र 21 वर्ष, परमानंद उर्फ छोटू उम्र 22 वर्ष और अंकित परिहार उम्र 20 वर्ष की गिरफ्तारी हुई। इनके पास से लूटा हुआ मोबाइल, चांदी की करधौनी और 4 हजार 900 रुपए नकद बरामद हुए। एक 315 बोर का अवैध देसी कट्टा भी मिला। मुख्य आरोपी मुलायम उर्फ सड्डे यादव और एक अन्य बदमाश अभी फरार हैं। मुलायम पर पहले से 16 गंभीर अपराध दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौर ने सभी आरोपियों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। जांच में पता चला कि आरोपियों ने पहले गांव की रेकी की थी। शुरू में मामला चोरी का लगा। बाद में पुलिस की गहन जांच में डकैती और छेड़छाड़ का मामला सामने आया। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया है। फरार दो आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्रवाई में एएसपी संजीव मुले, पोहरी एसडीओपी सुजीत सिह भदौरिया, बैराड़ थाना प्रभारी शिव सिंह यादव, उनि विनोद यादव थाना प्रभारी गोपालपुर मय टीम, उनि रविन्द्र कुशवाह थाना गोवर्धन मय टीम, उनि मुकेश दुबैलिया थाना प्रभारी सिरसोद मय टीम, उनि धर्मेन्द्र जाट सायबर सेल मय अपने स्टाफ व उनि धर्मन्द्र शिवहरे उनि सीमा धाकड़, उनि आरएस चोकोटिया, सउनि हरिओम पाण्डेय, सउनि दशरथ सिह, सउनि तेज सिह गोड, प्र.आर.जगेश सिकरवार, सुरेन्द्र भगत, हरिओम जाटव, गोविन्द सिह भदौरिया, शिरोमणि सिंह, इकबाल अहमद, आर. राजकुमार माहौर, अवधेश शर्मा, रणजीत रावत, अरूण जादौन, रामअवतार रावत, अतर सिंह रावत, दुर्गाविजय रावत, राजेन्द्र प्रसाद, लोकेन्द्र सिंह, संगम उपाध्याय, सुमित सेंगर, शोभाराम मीणा, राजेन्द्र प्रसाद, म.आर.वैशाली श्रीवास्तव, आर.चालक मनीष परिहार की सराहनीय भूमिका रही।

जितेंद्र रघुवंशी बने श्री हनुमंत सेना के राष्ट्रीय महामंत्री

शिवपुरी ब्यूरो। अंतर्राष्टीय सप्त ऋषि अखाड़ा परिषद द्वारा संचालित श्री हनुमंत सेना संगठन की शुरुआत की गई है जिसकी कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। कार्यकारिणी के अनुसार जितेंद्र रघुवंशी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सच्चिदानंद बालप्रभु महाराज, संगठन मंत्री हर मनोज दास महाराज, राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्माचार्य सेना रामकृष्ण उपाध्याय, राष्ट्रीय महामंत्री धर्माचार्य सेना, पण्डित महेन्द्र मधुर, राष्ट्रीय अध्यक्ष युवासेना, श्यामानन्द महाराज, राष्ट्रीय अध्यक्ष गौ रक्षक सेना हिन्दू महेंद्र साहू, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौ रक्षक सेना ओम महाराज, हरियाणा प्रदेश प्रभारी राधे राधे महाराज, गुजरात प्रदेश प्रभारी महंत पंकजदास महाराज, उत्तरांखड प्रदेश प्रभारी मोहन भट्ट, प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश विनय पांडे को बनाया गया है अपनी नियुक्ति पर जितेंद्र रघुवंशी ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी है उसका वह पूर्णता निर्माण करेंगे और संगठन को आगे बढने का कार्य लगातार करते रहेंगे।

करैरा पुलिस ने शराब पीने के लिए रूपए न देने पर मारपीट करने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार

शिवपुरी ब्यूरो। करैरा थाना पुलिस ने शराब पीने के लिए रूपए न देने पर मारपीट करने वाले एक शातिर बदमाश को 24 घंटे के भीतर ही गिरफ्तार किया है। करैरा टीआई विनोद छावई के अनुसार, 19 अप्रैल को फरियादी सुशील जैन पुत्र श्री मदनलाल जैन उम्र 36 साल निवासी बैरियल के सामने फिल्टर रोड करैरा ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई कि अपने घर के बाहर खड़ा था तभी देवा उर्फ ओम परिहार नि0 गल्ला मंडी के पास करैरा का आया और मुझसे शराब पीने के लिये रुपये मांगने लगा मैंने कहा कि मेरे पास रुपये नही है इसी बात को लेकर देवा उर्फ ओम परिहार मुझे मां बहिन की गंदी गंदी गालियां देने लगा मैने गाली देने से मना किया तो देवा उर्फ ओम ने मेरी थप्पडो से मारपीट कर दी जिससे मेरे दोनो गालो में व पीठ में मूदी चोटें आई मुझे बचाने मेरी मां मुन्नी देवी आयी तो देवा उर्फ ओम ने मां की डन्डा से मारपीट कर दी जिससे मां के दाहिने हाथ के अंगूठे के पास वाली अंगुली में चोट होकर खून निकल आया। जाते समय देवा उर्फ ओम परिहार हमसे कह रहा था अगर थाने में रिपोर्ट करने गये तो तुम्हे जान से खत्म कर दूंगा । सो रिपोर्ट करता हूं कार्यवाही की जावें। उक्त रिपोर्ट पर आरोपी ओम परिहार के विरुध्द धारा 119(1),118(1) , 296, 115(2), 351(3) बीएनएस का कायम कर आरोपी ओम उर्फ देवा परिहार पुत्र हरीसिंह परिहार उम्र 37 साल निवासी गल्ला मंडी के पास करैरा को तत्काल गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया माननीय न्यायालय द्वारा ओरीपी को जेल भेज दिया गया । आरोपी ओम उर्फ देवा परिहार आदतन अपराधी है यह पूर्व में भी मारपीट, जुआ, लूट, चोरी के अपराध घटित कर चुका है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरी0 विनोद छावई, सउनि शैलेन्द चौहान, प्रआर राजेन्द्र यादव, आर. हरेन्द्र गुर्जर, अजय गुर्जर, सुरेन्द्र रावत, राधे जादौन, सतेन्द्र सिकरवार, संदीप चौहान, सोनू श्रीवास्तव की अहम भूमिका रही।

प्रोजेक्ट ऐरो के तहत उपडाकघर का हुआ सौंदर्यकरण, विधायक देवेंद्र व जिलाध्यक्ष जसवंत ने किया लोकार्पण

शिवपुरी ब्यूरो। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा गुना, शिवपुरी एवं अशोकनगर जिले के समस्त उपडाकघरों में प्रोजेक्ट एरो के अनुरूप लुक एंड फील के तहत् कार्य करवाया जा रहा है। इसी क्रम में शिवपुरी जिले के उपडाकघर कलेक्ट्रेट भवन शिवपुरी एवं व्हीआरसी शिवपुरी में सौंदर्यीकरण कार्य करवाया गया, जिसका लोकार्पण विधायक शिवपुरी देवेन्द्र कुमार जैन एवं भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव द्वारा शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नेहा यादव जिला पंचायत अध्यक्ष शिवपुरी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता गायत्री शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष शिवपुरी द्वारा की गई। अतिथियों का स्वागत ओपी चतुर्वेदी अधीक्षक डाकघर गुना एवं रवि स्वर्णकार निरीक्षक डाकघर शिवपुरी तथा मलखानसिंह लोधी पोस्टमास्टर शिवपुरी द्वारा किया गया। ओपी चतुर्वेदी अधीक्षक डाकघर गुना द्वारा डाक विभाग की इस पहल के बारे में विस्तार बताया गया। इस दौरान हरवीर सिंह रघुवंशी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, राजीव जैन जिला कार्यालय मंत्री, अजमेर सिंह यादव प्रदेश कार्यकारणी सदस्य बीएमएस, शत्रुध्न सिंह तोमर जिलाध्यक्ष बीएमएस, एलडी गुप्ता से. नि. प्राचार्य, दुर्गेश रघुवंशी, पवन गुप्ता, पारस जैन एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। आभार बीएस कुशवाह सब पोस्टमास्टर द्वारा किया गया।

बस स्टैंड से दो बसों से म्यूजिक सिस्टम और बैटरी चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

शिवपुरी ब्यूरो। अंतरराज्यीय बस स्टैंड पर शनिवार रात एक चोरी की वारदात हुई। अज्ञात चोरों ने दो बसों से म्यूजिक सिस्टम और एक बैटरी चुरा ली। सपना ट्रेवल्स के मालिक जय सिंह रावत की बसों को निशाना बनाया गया। स्टाफ के जाने के बाद चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने एक अन्य बस की बैटरी भी चोरी करने का प्रयास किया। रविवार सुबह बस स्टाफ को चोरी का पता चला। सीसीटीवी फुटेज की जांच में चोर कैमरे में कैद हुए। बस ऑपरेटर ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। बस स्टैंड पर रात में कोई गतिविधि नहीं होती। रात के समय बसों का आवागमन बंद रहता है। सुनसान माहौल का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।

नरवाई जलाने पर कार्यवाही और प्रबंधन हेतु दल किया गठित, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

शिवपुरी ब्यूरो। नरवाई जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण और प्रबंधन के उद्देश्य से दल का गठन किया गया है। घटनाओं के प्रबंधन के लिए कंबाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के उपयोग को अनिवार्य किया गया है। जिसके तहत सहायक संचालक कृषि मनोज कुमार रघुवंशी को नोडल अधिकारी और सहायक संचालक कृषि एस एस घुरैया को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कंबाइन हार्वेस्टर की मॉनिटरिंग एवं कार्यवाही के लिए जिला परिवहन अधिकारी रंजना सिंह कुशवाह को नोडल अधिकारी और सहायक कृषि यंत्री भगवान सिंह नरवरिया को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। यदि जिले में कोई कंबाइन हार्वेस्टर बिना स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रा रीपर के संचालित पाए जाते हैं, तो उन संचालकों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

जिला स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना

सहायक कृषि यंत्री भगवान सिंह नरवरिया को और सहायक संचालक कृषि डॉ किरण रावत को नियुक्त किया गया है। नरवाई में आग लगने की घटनाओं की जानकारी 9926346695 पर शिकायत दर्ज की जा सकेगी। सेटेलाइट से प्राप्त डाटा की सूचना के लिए भी सहायक कृषि यंत्री भगवान सिंह नरवरिया को नोडल रहेंगे।

उड़ान दस्ता दल का गठन

नरवाई जलाने की घटनाओं की निगरानी एवं क्षेत्र भ्रमण के लिए उडन् दस्ता दल का गठन किया गया है जिसमें संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार दल प्रभारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी और कृषि विस्तार अधिकारी को सदस्य नियुक्त किया गया है जो अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमण करेंगे एवं नरवाई में आग लगाने की घटनाओं में तुरंत करवाई करेंगे। वहीं निगरानी दल में संबंधित क्षेत्र के नायब तहसीलदार, कृषि विस्तार अधिकारी एटीएम/बीटीएम एवं थाना प्रभारी, पटवारी, सचिव एवं कोटवार रहेंगे। इन घटनाओं पर कार्रवाई के लिए एसडीएम को भी निर्देशित किया गया है। अनुविभागीय स्तरीय मॉनिटरिंग समिति और अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति गठित की गई है।

तालाब में नहाने गए दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत, दोनों को तैरना नहीं आता था

शिवपुरी ब्यूरो। खनियांधाना क्षेत्रान्तर्गत चमरऊआ गांव में रविवार दोपहर तालाब में नहाने गए दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। ये हादसा दोपहर करीब ढाई बजे के आसपास खनियाधाना थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार चमरऊआ गांव निवासी करण केवट पुत्र रघुवर केवट उम्र 18 वर्ष और अभिषेक केवट पुत्र विक्रम केवट उम्र 13 वर्ष गांव के कुछ अन्य युवकों के साथ नहाने के लिए तालाब गए थे। नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए, जिससे वे डूबने लगे। मौके पर मौजूद अन्य ग्रामीणों ने उन्हें तालाब से बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। दोनों को तत्काल खनियाधाना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि दोनों को तैरना नहीं आता था। पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही खनियाधाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किन्नरों की जबरन वसूली पर सांसद सिंधिया का एक्शन

निर्देश के बाद एसडीओपी ने समदुाय के साथ की बैठक, आपसी सहमति से निकला समाधान

शिवपुरी ब्यूरो। शिवपुरी के जनता दरबार में आमजन की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। खास बात ये है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया खुद इन शिकायतों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वो आवेदकों को पत्र के जरिए कार्रवाई की जानकारी भी दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला कोलारस से सामने आया, जहां समाजसेवी और अग्रवाल समाज अध्यक्ष महावीर जैन ने 10 फरवरी 2025 को आयोजित जनसुनवाई शिविर में किन्नर समुदाय द्वारा की जा रही जबरन वसूली और अभद्र व्यवहार की शिकायत की थी। जैन ने बताया कि लड़का होने पर 50 हजार रुपए और सोने की अंगूठी और शादी में 1 लाख रुपए की मांग की जाती है। मांग पूरी न होने पर गाली-गलौच और धमकी दी जाती है, जिससे आमजन विशेषकर गरीब वर्ग परेशान है। इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए सिंधिया ने तत्काल जिला प्रशासन को जांच के निर्देश दिए। एसडीओपी कोलारस विजय यादव को जांच सौंपी गई। थाने में इस मामले की कोई लिखित शिकायत नहीं मिली थी, लेकिन जनता की परेशानी को समझते हुए पुलिस ने किन्नर समुदाय के साथ बैठक कर उन्हें समझाइश दी और भविष्य में ऐसी हरकतें न करने की चेतावनी दी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ को जांच प्रतिवेदन सौंपा गया। शिकायतकर्ता व किन्नर समुदाय के बीच आपसी सहमति से समाधान कराया गया, जिसमें किसी प्रकार की जबरन आर्थिक मांग न करने की बात स्पष्ट की गई। कार्रवाई के कुछ दिन बाद सांसद सिंधिया ने महावीर जैन को पत्र लिखकर जानकारी दी। अपने पत्र में सिंधिया ने लिखा, आपकी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया था। अब मुझे अवगत कराया गया है कि किन्नर समुदाय को समझाइश दी गई है और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए उन्हें चेतावनी दी गई है। मैं आपके और आपके परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करता हूं।

वीर रस, हास्य सहित विभिन्न विधाओं में कवियों ने किया काव्य पाठ, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

शहीद मेले में आयोजित हुआ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

शिवपुरी ब्यूरो। अमर शहीद तात्या टोपे के बलिदान दिवस के अवसर पर 18 और 19 अप्रैल को तात्या टोपे पार्क में दो दिवसीय शहीद मेले का आयोजन किया गया। शहीद मेले में श्रद्धांजलि सभा के साथ ही 18 अप्रैल की शाम देशभक्ति गीतों का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें भोपाल के कलाकारों ने प्रस्तुति दी। वहीं अगले दिन 19 अप्रैल की शाम अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कवि सम्मेलन में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी गई। विभिन्न विधाओं में कवियों ने काव्य पाठ किया और अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। श्रोतागण ने भी कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया और कवियों का उत्साहवर्धन किया। देर रात तक यह कार्यक्रम उसी उत्साह के साथ चलता रहा। कार्यक्रम में नागपुर से आई श्रृद्धा शौर्य और इटावा के देवेन्द्र प्रताप सिंह, ग्वालियर के शिवम सिसोदिया ने वीर रस की कविताओं का जब मंच पर काव्य पाठ किया और देश के स्वतंत्रता संग्राम को अपनी कविताओं के माध्यम से प्रस्तुत किया, तब श्रोताओं में भी वही उत्साह भर दिया। वहीं देवास के कुलदीप रंगीला, विदिशा के ध्रुव शर्मा ने हास्य रस में अपनी प्रस्तुति दी। दिल्ली से सरजन शीतल गीतकार, प्रतीक चौहान गीतकार भिण्ड, रायसेन से गीतकार नीतेश व्यास, मुरैना से रोशन मनीष गीतकार की भी प्रस्तुति को सराहा गया। आशुतोष शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इधर 30 अप्रैल को शादी उधर दुल्हन किसी और के साथ भागी, दूल्हे के परिवार ने शादी से किया इनकार, दहेज में मिली सामग्री लौटाने को भी तैयार

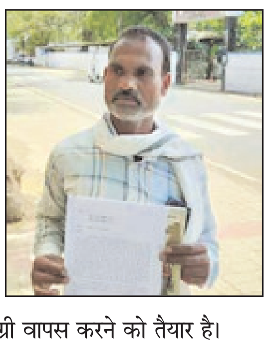

शिवपुरी ब्यूरो। अमोला में एक अजीब मामला सामने आया है। यहां 30 अप्रैल 2025 को होने वाली शादी से पहले दुल्हन किसी दूसरे युवक के साथ चली गई। इस घटना के बाद लड़की का परिवार भी घर में ताला लगाकर गायब हो गया है। झांसी निवासी शंकरलाल वंशकार ने अपने बेटे विशाल का विवाह अमोला की एक युवती से तय किया था। उन्हें जानकारी मिली कि युवती किसी और के साथ चली गई है। इस घटना के बाद दूल्हे के पिता ने शिवपुरी एसपी कार्यालय में आवेदन दिया है। शंकरलाल ने कहा कि वे अब इस परिवार से कोई रिश्ता नहीं रखना चाहते। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में युवती या उसके परिवार के साथ कोई अनहोनी होने पर उनका परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। सगाई के समय लड़की पक्ष ने दूल्हे को एक मोटरसाइकिल और 11 हजार रुपये नगद दिए थे। गोदी रस्म में एक सोने की अंगूठी, चांदी की पायल और 2100 रुपये भी दिए गए थे। दूल्हे का परिवार यह सारी सामग्री वापस करने को तैयार है।

शिक्षकों की समस्याओं का नहीं हुआ निराकरण तो शीघ्र करेंगे आंदोलन- पवन सिंह परिहार

मुरैना,कांस। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक 20 अप्रैल 2025 को दोपहर 1–30 बजे स्थान डाइट परिसर में आयोजित कीगई जिसमें बैठक की अध्यक्षता पवन सिंह परिहार मध्य प्रदेश शिक्षक संघ द्वारा की गई बैठक में प्रमुख रूप से प्रांतीय उपाध्यक्ष रामबरन सिंह सिकरवार, श्यामवीर सिंह राठौड़ प्रदेश विधि प्रकोष्ठ प्रभारी विशेष रूप से उपस्थित रहे बैठक में मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना की गई बैठक में विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा शिक्षकों से जुड़ी समस्याओं के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई जो इस प्रकार हैं क्रमन्नति एवं एरियर भुगतान के संबंध में रणनीति तैयार की गई तथा शिक्षकों की क्रमन्नति लगाकर हटा दी गई हटाने वाले कार्यालय पर इसकी जवाबदारी निश्चित की जावे, डी ए के भुगतान के संबंध में, एनपीएस मिसिंग का सुधार कर पासबुक निर्धारण करवाना, कुछ विद्यालयों के शिक्षकों का एनपीएस नहीं कट रहा है जैसे ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल मुरैना, शासकीय कर्मचारियों को नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत आने वाले संकुल केंद्रों के समस्त कर्मचारियों के मूल वेतन में 7त्न जोड़ा जावे, पूर्व में जिन दिव्यांग कर्मचारी की दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए गए थे वर्तमान में डिजिटल दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जा रहे जिनमें उनका प्रतिशत कम लिखा जा रहा है डॉक्टर सहानुभूति पूर्वक विचार कर पूर्व के प्रतिशत को ही अंकित करें ग्रीष्मकालीन अवकाश को बढ़ाकर 1 मई से 15 जून तक शिक्षकों के लिए किया जावे, दिव्यांग भत्ता जो कि बढ़ाया गया है शासन से शीघ्र आदेश जारी करने के संबंध में, इंग्लिश मीडियम के कक्षा 1 से 12 तक के विद्यालयों के लिए अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकें उपलब्ध कराने के संबंध में बैठक में जिला कार्यकारिणी एवं प्रांतीय एवं संभागीय, नगरइकाई, विकासखंड इकाई ,एवं तहसील इकाई ,के समस्त पदाधिकारी गण विशेष रूप से उपस्थित रहे बैठक को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश शिक्षा संघ के जिला अध्यक्ष पवन सिंह परिहार में ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो शीघ्र आंदोलन करेंगे इस संबंध में विस्तृत रणनीति बनाकर कार्य करने की प्रतिज्ञा ली ।

अजाक्स के संभागीय महासचिव अशोक नेगी को मातृ शोक

मुरैना,कांस। म.प्र. अनुसूचित जाति/जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संघ के संभागीय महासचिव श्री अशोक कुमार नेगी की माताजी श्रीमती रेवती देवी का गत रात्रि दुःखद निधन हो गया। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड गई है। उनकी शव यात्रा न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलौनी निवास से जौराखुर्द शमशाम घाट पहुँची जहॉं उनका अंतिम संस्कार किया गया। उन्हें मुखाग्नि उनके जेष्ठ पुत्र अशोक नेगी ने दी। उनकी शव यात्रा में बडी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, संगठन के सदस्यो के अलावा परिवार के लोग शामिल होकर उन्हें अंतिम बिदाई दी गई।

वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस पर जन जागरण यात्रा का स्वागत हुआ

मुरैना,कांस। शहीद वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में 20 अप्रैल को जनजागरण यात्रा ग्वालियर से मुरैना वैरियर से होते हुए एमएस रोड पर भव्य स्वागत किया गया ,उसके बाद अवंतीबाई कॉलोनी पर फिर बड़ागांव पर नेत्रपाल सिंह ,उमेश सिंह , कल्ला उर्फ धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में स्वागत किया गया उसके बाद उमरिया पुरा पर जिला पंचायत सदस्य देशराज कुशवाह ने स्वागत किया गया।इसके बाद पचपेड़ा होते हुए परडूपुरा पर रणवीर सिंह के नेतृत्व में वीरपाल जी ,दशरथ सिंह जी ,पातीराम जी द्वारा स्वागत किया गया।इसके बाद शिवम कॉलेज में पातीराम जी लोधी ,भावर सिंह नरवरिया जी,दिनेश शर्मा जी के नेतृत्व में स्वागत किया गया ।विधायक प्रीतम लोधी ने स्वागत सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस जनजागरण यात्रा का उद्देश्य सभी समाजों में आपसी तालमेल बनाकर कार्य किया जाए जिससे सामाजिक समरसता का विकास हो सके और लोग राष्ट्र निर्माण में भागीदारी बने।समाज को समृद्धशाली, शिक्षित बनकर स्वाभिमान बनाए रखने का कार्य करना चाहिए ,देश सर्वोपरि इसलिए समाज शिक्षित होकर एकता के साथ कार्य करेंगे ऐसी इस जन जागरूकता रैली से समाज में संदेश देने का कार्य करूंगा ।पोरसा में सर्वसमाज द्वारा स्वागत जो स्वागत किया गया उसके लिए में अभिभूत हु और सर्वसमाज का धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।स्वागत करने वालों में अंगद सिंह,कमलेश जनपद ,बच्चू सिंह,लखन सिंह,हरिओम गुप्ता , सुरेंद्र सिंह, भवर सिंह एडवोकेट, आदि पांच सैकड़ा लोग उपस्थित थे।

किसान ने खेत पर फांसी लगाई

मुरैना,कांस। जिले के बागचीनी थाना क्षेत्र में एक किसान ने अपने खेत के कुंए पर फांसी का फन्दा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम करेरा का पुरा में निवास करने वाले किसान रवि कुशवाह पुत्र केदार सिंह उम्र 28 साल ने अपने खेत पर बने कुँए के पास फांसी का फन्दा लगाकर झूल गया जिससे उसकी मौत हो गई। थाना पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही शव का मौका पंचनामा बनाकर शव का पीएम कराकर उसे उसके परिजनो को सौपकर फरियादी रामवरन पुत्र केदार कुशवाह की रिपोर्ट पर से मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया है।

आदर्श गौशाला में आज से प्रारंभ होगा बायो सीएनजी गैस का विक्रय

ग्वालियर। सोमवार से ग्वालियर के लालटिपारा स्थित आदर्श गौशाला में स्थापित दो टन प्रतिदिन (2 टीपीडी) क्षमता वाले बायो सीएनजी प्लांट में विधिवत रूप से गैस उत्पादन प्रारंभ हो जाएगा। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के सहयोग से स्थापित किए गए बायो सीएनजी प्लांट के गैस को गेल इन्डिया लिमिटेड द्वारा वाहनों को बायो सीएनजी मिलेगा द्य शहर में संचालित होने वाली डेयरी से निकलने वाले गोबर और होटल, रेस्टोरेंट के वेस्ट और सब्जी मंडी के गीले कचरे का भी उपयोग किया जाएगा। इससे स्वच्छ सर्वेक्षण में ग्वालियर की बेहतर रैंकिंग में मदद मिलेगी । नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने रविवार को आदर्श गौशाला पहुचकर नगर निगम अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर गौशाला के सभी अवरुद्ध कार्य एवं व्यवस्थात्मक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान उपस्थित गणमान्य के समय स्वामी ऋषभदेवानंद महाराज, अपर आयुक्त श्री विजयराज, उपायुक्त श्री अमरसत्य गुप्ता, पवन सिंघल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सबलगढ़ ब्रह्माकुमारी आश्रम में दादी रतन मोहिनी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सबलगढ़ सेवा केंद्र में पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी जी के देहावसान पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र मुरैना की रेखा बहन ने अपने उदबोधन में दादी रतन मोहिनी के प्रेरणादायी जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दादी ने अपने 101 वर्ष के जीवनकाल में शांति, पवित्रता और मानवता की सेवा के लिए अनुकरणीय कार्य किए। उन्होंने बताया कि दादी ने 1937 में ब्रह्माकुमारी संस्थान की स्थापना के समय से ही संस्थान को अपने समर्पण और नेतृत्व से वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। विशेष रूप से युवा प्रभाग की अध्यक्ष के रूप में 40 वर्षों तक उन्होंने असंख्य युवाओं को आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों के मार्ग पर प्रेरित किया। इस अवसर पर दादी रतनमोहिनी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी गई। कार्यक्रम में सबलगढ़ केंद्र की पूनम बहन,अलका बंसल,सुमन गर्ग,नरेश मित्तल,अमरनाथ बंसल सहित बड़ी संख्या में भाई बहन उपस्थित रहे।

कृषि मंत्री श्री कंषाना हिंगोना पंचायत में पीड़ित परिजनों से मिले, बंधाया ढांढस

मुरैना,कांस। रविवार को मुरैना जनपद की ग्राम पंचायत हिंगोना खुर्द में संजय जाटव/श्री चिम्मन जाटव के दुखद निधन पर किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया। इस अवसर पर मंत्री श्री कंषाना ने उनके परिवार के लिए अपनी स्वेच्छा अनुदान से एक लाख रुपए की घोषणा की और घायल परिवार को इलाज़ हेतु स्वेच्छा अनुदान से 50 हजार रुपए की घोषणा की। मृतक परिवार के पिता एवं ताऊ व चाचा को दो-दो क्विंटल गेहूं खाने के लिए व्यवस्था करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के समस्त कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि स्वयं पीड़ित परिवार के साथ है और आगे भी हर संभव मदद का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी श्री ब्रजकिशोर दंडोतिया, श्री बालकृष्ण शर्मा (साटा) सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नौगाँव तालाब की बंड पर जंगल सफाई का कार्य किया गया

मुरैना,कांस। जल संसाधन संभाग मुरैना के अधीन जल संसाधन ए.बी.सी. उपसंभाग क्र. 2 मुरैना के अनुविभागीय अधिकारी श्री जी.पी.एस. भदौरिया तथा उपयंत्री श्री सुरेश चन्द्र शर्मा एवं श्री देवेन्द्र गौड के मार्गदर्शन में शनिवार को जल गंगा संवर्धन अभियान-2025 के अंतर्गत नौगाँव तालाब की बंड पर जंगल सफाई का कार्य जन भागीदारी/जन सहयोग से किया गया। सभी ने एक जुट होकर श्रमदान किया।

अति पुलिस अधीक्षक ने न्यायालयों में कार्यरत कोर्ट मोहर्रिर, कोर्ट मुशियों एवं वारंट मुशियों की समीक्षा बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए

मुरैना,कांस। पुलिस अधीक्षक मुरैना श्री समीर सौरभ द्वारा माननीय न्यायालयों में कार्यरत कोर्ट मोहर्रिरों, कोर्ट मुशियों एवं थाने पर तैनात वारंट मुशियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने एवं उनकी कार्यप्रणाली को और अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से समीक्षा बैठक आयोजित किये जाने संबंधी निर्देश दिए गए। उक्त निर्देशों के तारतम्य में श्री सुरेन्द्र पाल सिंह डावर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुरैना द्वारा दिनांक 20.04.2025 को पुलिस लाइन स्थित कॉनफ्रेंस हॉल में कोर्ट मोहर्रिरों, कोर्ट मुशियों एवं वारंट मुंशियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना द्वारा कोर्ट मोहर्रिरों को समय पर समंस वारंट जारी करने एवं जारी समंस वारंटो में सही नाम पता लेख करने हेतु निर्देशित करते हुए कहा कि समंस वारंट सजगता से जारी करेंगे, तो निश्चित ही संमस वारंट के तामीली के प्रतिशत में बढ़ोत्तरी होगी, अक्सर अधूरे नाम पता के कारण संमस वारंट की तामीली में दिक्कतें आती है. समंस वारंट जारी करते समय पूरा नाम पता, मोबाईल नम्बर आवश्यक रूप से लिखें, साथ ही जमानतदारों के नाम पता भी लिखें। सभी न्यायालय में कार्यरत कोर्ट मोहर्रिर यह दायित्व है कि न्यायालय से जारी होने वाले समस्त आदेशिकाओं की तामीली समय पर पहुँच जाये, यदि किसी थाने से देरी होती है तो उक्त संबंध में थाना प्रभारी एवं उनसे वरिष्ठ अधिकारी को अवगत करायें, ताकि न्यायालय द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को पत्राचार करने की स्थिति निर्मित न हो। माननीय उच्च न्यायालय से प्राप्त नोटिस/वारंट समय पूर्व तामील कराए जायें, कोई भी नोटिस /वारंट अदम तामील न रहे। माननीय उच्च न्यायालय का कोई भी नोटिस/वारंट अदम तामील रहता है तो संबंधित राजपत्रित अधिकारी उसका सत्यापन करेंगे कि अदम तामीली के क्या कारण हैं। माननीय उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालय द्वारा वांछित प्रत्येक केस डायरी समय पूर्व मय प्रतिवेदन के जमा करावे, केस डायरियों में आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड आवश्यक रूप से संलग्न किया जावें। चिन्हित अपराधों में स्वयं कोर्ट मोहर्रिर एवं संबंधित थाने का चालानी मुंशी नोडल अधिकारी से समन्वय कर अभियोजन पक्ष में साक्ष्य कार्यवाही करवाऐंगे। साथ माननीय न्यायालय में विचाराधीन 25 वर्ष पुराने प्रकरण, 05 वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरण तथा जिन प्रकरणों में आरोपी वर्तमान में जेल में निरूद्ध हैं, ऐसे प्रकरणों की आदेशिकाएं प्राथमिकता के आधार पर शत प्रतिशत तामिल करावे। माननीय न्यायालय द्वारा जारी आदेशिकाओं की तामीली के संबंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्रों का अक्षरशः पालन किया जाये, इसके अतिरिक्त ई-समन के उपयोग के संबंध में भी जानकारी दी गई एवं बताया गया कि ईलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्राप्त होने वाले समस्त समन / वारंट प्रतिदिवस सीसीटीएनएस पर देख कर तामिल करावे व तामिली की सूचना सीसीटीएनएस इंद्राज करे, अन्यथा उक्त आदेशिका नॉन कम्पलाईस में बला जावेगा।

इसके साथ ही सभी कोर्ट मोहर्रिर को निर्देशित किया गया कि माननीय न्यायालय में कानून-व्यवस्था बनाये रखते हुये साक्षियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। बैठक में कुल 39 कोर्ट मोहर्रिर, 20 कोर्ट मुंशी एवं 17 वारंट मुशियों के साथ सूबेदार (अ)/ शीघ्रलेखक श्री रमन सिंह राठौर, सउनि चरण सिंह प्रभारी कोर्ट सेल डीपीओ मुरैना भी उपस्थित रहे, बैठक के अंत में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों की व्यवहारिक समस्याओं को सुना गया एवं उनके यथोचित समाधान बताए गए।

किए हुए कर्म संस्कार बनते हे वर्तमान एवं भविष्य में : माधव दास जी

डॉ माधवी आकाश ने दिया 2000 का सेवा दान, 21 लोगों ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प, बड़ी संख्या में वितरित हुए वस्त्र, साड़ी सूट एवं चश्मे, 266 मरीज और 30 सेवक हुए उपस्थित

मुरैना,कांस। मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में प्रभु श्री सीताराम जी की पूजा अर्चना, रामचरित मानस का पाठ, एवं विनय पत्रिका एवं भक्तमाल की कथा हुई इसके साथ ही 266 मरीजो ने अपना परीक्षण करा के उपचार कराया, विषय बार मरीजो की संख्या इस प्रकार रही -दन्त रोग 89 स्व– जगदीश प्रसाद गुप्ता मेडिसिन कक्ष में 73, नाक कान गला 47, सर्जरी 42, अस्थि रोग 45, नैत्र रोग 25, अन्य उक्त शिविर में विशेष रूप से निम्न कार्य सम्पादित किये गए -दांतों के सेट0, ब्लड प्रेसर की जाँच 42, ई.सी.जी 1, इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 32, नशा छोड़ने का संकल्प लिया 19, फिजियोथेरेपी मशीन से उपचार 32, एम्स में पंजीयन0 इसके अलावा स्व. अंकित जैन स्मृति दन्त चिकित्सा कक्ष मे- दांत शल्य क्रिया59, अल्ट्रासोनिक मशीन से पायिरिया का इलाज22, परमार्थ न्यास में आँखों की डिजिटल जांच की सुविधा स्व. प्रकाश शर्मा स्मृति कक्ष मे प्रारंभ हुई जिसमेङ्क आँखों की जाँच 16 एवं इलेक्ट्रिकल लैंप के माध्यम से चश्मे का नंबर प्रदान किये, निष्काम भाव से सेवको ने सेवा की। डॉ एस.के.शर्मा, डॉ मुकुल सिंघल, डॉ दीपक बंसल, प्रदीप शर्मा, सुषमा शर्मा, गुड्डी, लक्ष्मी, कस्तूरी, ममता, बबीता, ओमवती, मीरा, राजश्री, आशा, रामबेटी, मनीराम, हाकिम, होतम, श्याम शर्मा, भगवान शर्मा, रमेश बाउजी, दीपू तोमर, मयूर, सुरेश महेश्वरी, प्रकाश, अभिषेक, पुरुषोत्तम, रामसिंह, रामवीर, अरुण ने निःशुल्क सेवाए प्रदान की। प्रत्येक रविवार की तरह सभी समाजसेवियो ने अपनी सेवाये परमार्थ न्यास में यथावत प्रदान की। भगवान स्वरूप में पधारे हुये सभी मरीजों ने अपना ईलाज कराया। परमार्थ न्यास में प्रत्येक रविवार की तरह सभी सेवकों ने उपस्थित होकर पूजा पाठ रामचरितमानस पाठ भकात्मल कथा विनय के पद रामरक्षा स्त्रोत का पाठ आरती एवं संकीर्तन किया एवं श्रवण लाभ लिया। आज परमार्थ न्यास में माधव दास जी पधारे आपने यहाँ पूजा में शामिल होकर रामचरित मानस पाठ भक्तमाल कथा रामरक्षास्तोत्र पाठ का श्रवण किया तथा परमार्थ न्यास के सभी सेवकों द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा का स्वरूप देखकर ह्रदय से प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि एक संतसे किसीने पूछा कि महाराज ! भगवान् में मन कैसे लगे ? संतने उत्तर दिया कि तुम स्वयं भगवान् में लग जाओ तो मन भी आप-से-आप भगवान् में लग जायगा। मन कहाँ जाता है? तुमने जहाँ-जहाँ अपना सम्बन्ध जोड़ा है, वहाँ-वहाँ मन जाता है। उसने कहा कि महाराज ! मन तो हरेक जगह चला जाता है! तो संतने कहा कि मनमें कभी वाइसरायकी चाय पीनेका संकल्प होता है क्या? नहीं होता। क्यों नहीं होता ? क्योंकि वहाँ हमने सम्बन्ध जोड़ा ही नहीं अतः जहाँ आपने सम्बन्ध नहीं जोड़ा, वहाँ मन नहीं जाता। जहाँ आपने सम्बन्ध जोड़ा है, वहीं मन जाता है। आप सम्बन्ध छोड़ दो तो मन वहाँ जाना छोड़ देगा। सब काम खुदका ही किया हुआ है - आप कमाया

कामड़ा, किणने दीजै दोष। खोजेजी री पालड़ी, काँदे लीनी खोस ॥ अपने ही द्वारा किये गये काममें किसको दोष दें ! खोजेजी नामक एक ठाकुरके गाँव पालड़ीको लोग खोजेजीकी पालड़ी कहकर पुकारा करते थे। एक बार खोजेजीके गाँवमें एक बहुत बड़ा काँदा (प्याज) पैदा हुआ।

उसको वे राजाके पास दिखानेके लिये ले गये। राजाके पास ले जानेसे उस गाँवकी काँदेकी पालड़ी नामसे प्रसिद्धि हो गयी और लोग उस गाँवको खोजेजीकी पालड़ी न कहकर काँदेकी पालड़ी कहकर पुकारने लग गये।अगर खुदका पक्का विचार होगा तो उसको खुद ही मिटा दोगे। अगर उसको पूरा मिटाना चाहते हो, पर अपनी शक्तिसे वह मिटता नहीं तो ऐसी अवस्थामें आप रो दोगे। यह विद्या हम सबने बालकपनमें काममें ली है। बालकपनमें कौन-सा काम रोनेसे नहीं हुआ ! रोनेसे सब काम हुए। छोटा बच्चा रो करके अपने मनकी बात पूरी करा लेता है। यह रोना आपके, हमारे सबके काममें लिया हुआ उपाय है। अतः भगवान् के आगे रो पड़ो, तो भगवान् को झख मारकर आना पड़ेगा। हम भगवान् के प्यारे-से-प्यारे बच्चे हैं। अगर हम बेचैन होकर रो पड़ें तो भगवान् की ताकत नहीं है कि हमारी उपेक्षा कर दें; कर ही नहीं सकते ! हम संसारके भोगोंको चाहते हैं, उनके संग्रहको चाहते हैं, तो ये चीजें रोनेपर भी नहीं मिलेंगी। प्रारब्धके अनुसार ये चीजें मिलनी होंगी तो मिलेंगी, नहीं मिलनी होंगी तो नहीं मिलेंगी। परंतु भगवान् के लिये रोना होगा तो उसको भगवान् सह नहीं सकेंगे। भगवान् संसारके दुःखकी परवाह नहीं करते। जो मनुष्य संसारका सुख चाहता है, वह तो एक प्रकारसे दुःख ही चाहता है। भगवान् मानो कहते हैं कि पहले मिला हुआ दुःख काफी है, और दुःख लेकर तू क्या करेगा ! इसलिये सांसारिक सुख माँगनेपर और उसके लिये रोनेपर भी भगवान् सांसारिक सुख दे ही दें-यह नियम नहीं है। इस प्रकार आपने स्वयं अपने भीतर जो संस्कार डाले हैं, वे ही उपजते हैं। अतः आपके किये हुए संस्कार ही उपजते हैं, आपके किये बिना एक भी संस्कार नहीं उपज सकता। ओर वहीं संस्कार अगली पीढ़ियों में पहुंचते हैं। आज मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में मैने देखा कि समस्त सेवक जिस उदार भाव व वाणी से सेवा करते हैं उसे देखकर मैं ह्रदय से अपनी प्रसन्नता व्यक्त करता हूँ एवं जन मानस से आग्रह करता हूँ कि यहाँ प्रभु के दीन स्वरूप की सच्ची सेवा का लाभ ले। मैं सभी को आशीष, शुभकामनाएं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि परमार्थ न्यास के सभी सेवकों में जन मानस की सेवा सत्कर्म का भाव सदैव इसी प्रकार बना रहे। और यह सेवा सत्कर्म निरंतर चलता रहे।

जरूरमंदो के लिए एक पहेल - हमारा परमार्थ न्यास एम एस रोड पर भोज भवन के सामने स्थित है हर रविवार गरीबों व जरूरतमंदो को निशुल्क उपचार, दवाईयां और कपड़े उपलब्ध कराता है। अगर किसी के घर में जो दवाईयां और कपड़े उपयोग में ना हो वो लोग गरीबों व जरूरतमंदो के उपयोग हेतु हमे प्रदान कर सकते हैं या स्वयं परमार्थ न्यास पर आकर स्वयं दान दे सकते हैं। आपकी एक पहल जरूरतमंदो के बहुत काम आएगी। सभी शहर वासियों से निवेदन है कि शव को सुरक्षित रखने हेतु डीप फ्रीजर का उपयोग आवश्यकता होने पर किसी भी समय परमार्थ न्यास से 9827090180 पर संपर्क कर किया जा सकता है।

छतरपुर : पत्नी के साथ इलाज कराने पहुंचे बुजुर्ग को डॉक्टर ने पीटा, घसीटकर ले गए पुलिस चौकी

छतरपुर, एजेंसी । मध्य प्रदेश में छतरपुर स्थित जिला अस्पताल में पत्नी के साथ इलाज कराने के लिए पहुंचे बुजुर्ग के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। यहां डॉक्टर ने 77 वर्षीय बुजुर्ग मरीज को लात-घूंसों से पीटा और हाथ पकड़कर घसीटते हुए अस्पताल चौकी तक ले गया। वहां ले जाकर जमीन पर पटक दिया। घटना 17 अप्रैल को सुबह की है, लेकिन रविवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन ने मामले की जांच की बात कही है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम नौगांव निवासी उधल लाल जोशी (77) बाते गुरुवार को अपनी पत्नी लाली जोशी (70) के साथ इलाज के लिए 30 किलोमीटर दूर से अस्पताल आए थे। वे सुबह 10 बजे अस्पताल के ओपीडी रूम नंबर 11 के सामने टोकन नंबर 178 लेकर लाइन में खड़े थे। जिला अस्पताल के ड्यूटी डॉक्टर राजेश अग्रवाल काफी देरी से ओपीडी रूप में आए। बुजुर्ग ने उनसे लेट आने का कारण पूछा। इससे डॉक्टर नाराज हो गए और पहले उनका पर्चा फाड़ दिया। फिर बुजुर्ग को थप्पड़ मार दिया और लात-घूंसों से पिटाई कर दी। इसके बाद एक कंपाउंडर की मदद से हाथ पकड़कर घसीटते हुए अस्पताल में बनी पुलिस चौकी तक ले गए। वहां ले जाकर जमीन पर पटक दिया।

मौके पर मौजूद एक अन्य मरीज जीतेंद्र ने बताया कि पुलिस ने डॉक्टर और कंपाउंडर को केवल समझाइश देकर छोड़ दिया। बुजुर्ग दंपत्ति बिना इलाज कराए ही वापस लौट गए। इस मामले को लेकर सिविल सर्जन जीएल अहिरवार से मीडिया ने बात की तो उन्होंने कहा कि हमने डॉक्टर को समझा दिया है कि बुजुर्गों को सबसे पहले देखना है। इस तरह के कृत्य को लेकर स्थानीय लोगों के बीच नाराजगी है और उनका कहना है कि डॉक्टर एक बुजुर्ग के साथ इस तरीके का व्यवहार करता है, तो उसके साथ समझाइश नहीं बल्कि कार्रवाई होनी चाहिए। इससे पहले भी जिला अस्पताल में मरीजों के साथ मारपीट किए जाने के मामले सामने आ चुके हैं। मामले का वीडियो सामने आने के बाद एसडीएम अखिल राठौर ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इधर, कांग्रेस पार्टी ने मामले को लेकर मोहन यादव सरकार पर निशाना साधा है। एमपी कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि यह मोहन सरकार के कुशासन की तस्वीर है। छतरपुर के सरकारी अस्पताल में एक 77 वर्षीय बुजुर्ग मरीज को डॉक्टर ने अमानवीय तरीके से घसीटकर बाहर फेंक दिया। मोहन यादव जी, यह आपका कैसा विकास मॉडल है, जिसमें सरकारी अस्पतालों में इलाज नहीं यातनाएं मिल रही हैं। मध्य प्रदेश के सरकारी अस्पतालों से बार बार सामने आते दृश्य बता रहे हैं कि भाजपा राज में स्वास्थ्य सेवा नहीं प्रताड़ना बन गई है। वहीं, समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने रविवार को कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में तत्काल सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल से मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

ग्वालियर में 2.5 करोड सायबर ठगी के मामले में बंधन बैंक की पूर्व अधिकारी समेत नागदा से छह आरोपी गिरफ्तार

नागदा, एजेंसी। उज्जैन जिले के नागदा से मप्र की सबसे बड़ी ग्वालियर स्थित रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी सुदिप्तानंद को 26 दिन तक डिजिटल अरेस्ट में रखकर 2.5 करोड़ की सायबर ठगी मामले में यहां से शनिवार देर रात ग्वालियर की क्राईम ब्रांच टीम ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक युवती को भी हिरासत में लिया गया, जो कि बंधन बैंक नागदा की पूर्व अधिकारी है।

क्राईम ब्रांच की टीम के रतनसिंह राठौड़ ने रविवार को मीडिया को बताया कि आरोपियों के बैंक खातों में डिजिटल अरेस्ट के शिकार हुए स्वामी के के खाते की ढाई करोड़ की राशि का कुछ हिस्सा ट्रांजेशन इन छह आरोपियों के बैंक खातों से मिला है। ठगी का मुख्य सरगना उदय पिता महेंद्र कुमार अभी फरार है।

इन आरोपियों को पकड़ा

नागदा थाना प्रभारी अमृतलाल गवली के मुताबिक क्राईम ब्राच टीम ने राहुल (22) पुत्र किशोर कहार निवासी चेतनपुरा नागदा, तुषार (26) पुत्र हेमंत गामे निवासी श्रीराम कॉलोनी नागदा, करण (19) पुत्र महेंद्र विनाग्या, शुभम (23) पुत्र प्रहलाद राठौड़, विश्वजीत (42) पुत्र कानुलाल बार्मन निवासी लोनेड सिटी रतलाम एवं काजल (27) पुत्री राजेश जायसवाल निवासी इंदिरा नगर उज्जैन को हिरासत में लिया गया। अधिकारी के मुताबिक काजल की मुख्य भूमिका सामने आई है। वह यहां बंधन बैंक शाखा नागदा में कार्य कर चुकी है। इनके बैंक खातों में 9 लाख 90 हजार का ट्रांजेक्शन सामने आया है। इस पूरे मामले का भंडाफोड़ इस सुराग से हुआ कि नागदा के आरोपी उदय कुमार के व्हाटस एप्प की चेटिंग से खुलासा हुआ। उदय के व्हाटस चेंटिंग में रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी को डिजिटल अरेस्ट में रखकर ढाई करोड की ठगी के ट्रांजेक्शन के कुछ हिस्से का पता चला है।

रीवाः बाइक को टक्कर मारकर तेज रफ्तार बस पलटी, दो लोगों की मौत, पांच घायल

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में सेमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हरदुआ में रविवार शाम एक तेज रफ्तार बस बाइक को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस में सवार पांच यात्री घायल हो गए। सूचना मिलते पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य करते हुए बस में फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया है। जानकारी के अनुसार, रीवा से यात्रियों को लेकर बस सेमरिया जा रही थी। रविवार शाम करीब चार बजे ग्राम हरदुआ के पास ओवरटेक करने के चक्कर में बाइक को टक्कर मारने के बाद बस पलट गई और यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सेमरिया थाना पुलिस पहुंची। पुलिस ने बस में फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकाला और घायलों को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

मध्य प्रदेश के वन और वातावरण हैं चीतों के अनुकूल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने गांधी सागर में 2 चीतों के छोड़े जाने के अवसर पर दी प्रदेश के नागरिकों को बधाई

भोपाल, एजेंसी । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के गांधी सागर अभयारण्य में चीतों के छोड़े जाने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गाँधी सागर अभयारण्य में 2 चीते छोड़े जाने का अवसर प्रसन्नता का विषय है। इस लुप्त प्रायः प्रजाति के वन्य प्राणी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से सितंबर 2022 में मध्य प्रदेश में पहली बार लाया गया था। अब इन चीतों का कुनबा बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदसौर जिले के गाँधी सागर अभयारण्य में 2 चीतों को छोड़ा जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। ÷चीता प्रोजेक्ट÷ मध्यप्रदेश की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य भारत में चीतों की संख्या बढ़ाना और उनकी प्रजाति को बचाना है। इसमें हमें सफलता भी मिल रही है। गाँधी सागर अभयारण्य प्रदेश का दूसरा ऐसा स्थान है, जहाँ चीतों को बसाया जा रहा है। वन्य जीव पर्यटन की दृष्टि से आज एक ऐतिहासिक दिन है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चीतों की संख्या बढ़ाने के लिए दक्षिण अफ्रीका, केन्या और बोत्सवाना से चीतों को लाकर मध्यप्रदेश के जंगलों में बसाया जा रहा है। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में वर्तमान में 26 चीते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों में भी चीता पुनर्स्थापन के प्रयास हुए लेकिन उतनी सफलता नहीं मिल सकी। भारत में यह प्रोजेक्ट सफल हो रहा है। यहां चीतों की सर्वाइवल की दर अन्य देशों की अपेक्षा सर्वाधिक है। मध्यप्रदेश के वन और वातावरण चीतों के अनुकूल है। प्रदेश में कूनो के बाद गांधी सागर भी इनका घर बन रहा है। गाँधी सागर पश्चिमी मध्यप्रदेश में स्थित एक वन्य अभयारण्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभयारण्य प्रदेश के उज्जैन संभाग में मंदसौर और नीमच जिले में फैला हुआ है। कई सौ साल पहले क्षेत्र में जरूर चीते रहे भी होंगे। विलुप्त होने के वर्षों बाद अब उनका पुनः आगमन वन्य जीव पर्यटन के लिए भी शुभ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गांधी सागर अभयारण्य शैल चित्रों के लिए विश्व प्रसिद्ध चतुर्भुज नाला का हिस्सा है। निश्चित ही क्षेत्र में पर्यटन बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विरासत के संरक्षण के साथ-विकास के मंत्र पर मध्यप्रदेश कार्य कर रहा है।

शहर का एक ओर युवा साइलेंट अटैक की चपेट में

उज्जैन। रविवार को शहर का एक ओर युवा साइलेंट अटेक की चपेट में आ गया। तिरूपति सालिटियर,कानीपुरा निवासी 32 वर्षीय सुमित आर्य की मौत हो गई। वह विद्युत विभाग में वायरमेन के पद पर कार्यरत था।

चिमनगंज मण्डी थाना पुलिस ने बताया कि रोजाना की तरह शनिवार शाम को वह काम से लौटा और भोजन करने के बाद कुछ समय टीवी देखी। इसके बाद सोने चला गया। रविवार सुबह उसकी मां प्रेमा उसे उठाने गई तो वह नींद से जागा नहीं। बहुत कोशिश के बाद मां ने परिजनों को जानकारी दी। परिजन उसे चरक अस्पताल लेकर गए,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट कहा जा सकेगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

तालाब में डूबने से दो की मौत, गांव में छाया मातम

शिवपुरी। शिवपुरी जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम चमरऊआ गांव में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव के तालाब में नहाने गए एक युवक और एक किशोर की डूबने से मौत हो गई। यह हादसा दोपहर करीब 2:30 बजे के आसपास का बताया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चमरऊआ गांव निवासी करण पुत्र रघुवर केवट (18) और अभिषेक पुत्र विक्रम केवट (13) गांव के कुछ अन्य युवाओं के साथ नहाने के लिए तालाब गए थे। नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए, जिससे वे डूबने लगे। मौके पर मौजूद अन्य ग्रामीणों ने उन्हें तालाब से बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की सांसे थम चुकी थीं।

आगरा में अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस का स्वागत करेंगे सीएम योगी

- अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस अपने परिवार सहित करेंगे ताज महल का दीदार
- योगी सरकार ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति के स्वागत की भव्य तैयारी, भारतीय संस्कृति से होंगे रूबरू
- 12 किमी के संभावित रूट पर बनाए जा रहे 15 मंच, मंच पर होंगे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम
- एयरपोर्ट से शिल्पग्राम तक पूरे रास्ते भारत और अमेरिका के राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए आएंगे नजर

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस 23 अप्रैल को ताजमहल का दीदार करने आ रहे हैं। खेरिया एयरपोर्ट पर उन्हें सीएम योगी आदित्यनाथ अगवानी करेंगे। योगी सरकार के द्वारा अमेरिकी उप राष्ट्रपति का भव्य स्वागत किया जाएगा। खेरिया एयरपोर्ट से लेकर शिल्पग्राम तक सड़क किनारे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। करीब 5 हजार बच्चे सड़क के दोनों ओर भारत और अमेरिका का राष्ट्रीय ध्वज लेकर उनका स्वागत करेंगे। जेडी वेंस के साथ उनकी पत्नी उषा, उनके तीन बच्चे इवान, विवेक, मीराबेल और अमेरिकी प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद रहेंगे। वह आगरा में करीब 3 घंटे रहेंगे। इस दौरान ताजमहल पब्लिक के लिए बंद रहेगा। जेम्स डेविड वेंस के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 23 अप्रैल को सुबह 9.30 बजे जयपुर से आगरा पहुंचेंगे। इसको देखते हुए दोपहर 12 बजे तक ताजमहल बंद रहेगा। सुबह से ही टिकट की बिक्री बंद कर दी जाएगी। किसी को भी ताजमहल में एंट्री नहीं दी जाएगी। योगी सरकार के द्वारा खेरिया एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ अगवानी करेंगे। यहां मयूर नृत्य के साथ उनका स्वागत होगा। खेरिया एयरपोर्ट से उनका काफिला शिल्पग्राम की ओर आगे बढ़ेगा। 12 किमी की दूरी में 15 जगहों पर सांस्कृतिक मंच बनाए जाएंगे। जहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। यहां भारतीय कला और संस्कृति की झलक दिखाई देगी। एयरपोर्ट से शिल्पग्राम तक पूरे रास्ते भारत और अमेरिका के राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए नजर आएंगे। साथ ही सड़क किनारे स्कूली बच्चे खड़े होकर उनका स्वागत करते नजर आएंगे। स्वागत में 20 से 25 स्कूलों के बच्चे रहेंगे। अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेम्स डेविड वेन्स के 23 अप्रैल को प्रस्तावित आगरा दौरे को देखते हुए रविवार को मंडलायुक्त शैलेन्द्र कुमार सिंह ने तैयारियों को लेकर मंडलायुक्त कैंप कार्यालय पर अधिकारियों संग बैठक की। बैठक में मंडलायुक्त ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति से संबंधित तैयारियों संबंधी हुई प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एयरपोर्ट पर अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेम्स डेविड वेन्स का स्वागत करेंगे। अमेरिकी उप राष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी और तीन बच्चे और अमेरिकी प्रशासन के आला अधिकारी का एक प्रतिनिधिमंडल भी आ रहा है। दौरे के मद्देनजर संभावित रूट का निर्धारण कर लिया गया है। मार्ग अनुरक्षण, सौंदर्यीकरण का कार्य प्रगति पर है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति के स्वागत हेतु रूट पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न राज्यों तथा स्थानीय बृज लोक संस्कृति पर आधारित लोक नृत्य, संगीत, ड्रम वादन आदि के कार्यक्रम सांस्कृतिक कलाकारों, स्कूल ग्रुप तथा बच्चों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। इस दौरान अमेरिका तथा भारत के फ्लैग प्रदर्शित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी संबंधित विभागों से समन्वय कर सुरक्षा, संभावित रूट, सौंदर्यीकरण आदि के कार्य नोडल अधिकारी नामित कर ससमय पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोगों ने किया प्रदर्शनः रेप के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग, चेयरमैन के समझाने के बाद वापस लौटे

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। खेरागढ़ में रात को सोती हुई बच्ची को उठाकर रेप करने वाले आरोपी की दो दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसको लेकर रविवार को खेरागढ़ में आक्रोशित लोगों ने धरना प्रदर्शन किया। बाद में चेयरमैन ने समझा बुझाकर धरना समाप्त कराया। खेरागढ़ में दो दिन पहले आधी रात को एक युवक 12 साल की बच्ची को गोदी में उठाकर ले गया था। गांव के बाहर देव स्थान पर उसके साथ रेप किया। आरोपी बच्ची को गोदी में ले जाते हुए सीसीटीवी में कैद हो गया था। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली थी। इसके बाद आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें लगाई गई। मगर, 48 घंटे बाद भी आरोपी गिरफ्तार नहीं हुआ। इसके विरोध में रविवार को खेरागढ़ नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने काम ठप कर दिया। वो धरने पर बैठ गए। आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग करने लगे। करीब एक घंटे तक धरने पर बैठे रहे। इसके बाद चेयरमैन सुधीर गर्ग ने पुलिस से बात कर जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद ही आक्रोशित कर्मचारियों ने धरना समाप्त किया।

बस ने दो दोस्तों को 500 मीटर घसीटा, मौतः आगरा से बाइक से अपने गांव लौट रहे थे, वारदात के बाद आरोपी ड्राइवर हिरासत में

सांध्य पहल संवाददाता

आगरा। आगरा-हाथरस मार्ग पर खंदौली यमुना एक्सप्रेस वे इंटरचेंज के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक प्राइवेट टूरिस्ट बस ने बाइक सवार दो दोस्तों को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अवधेश जूरैल (28) और मुकुट जूरैल (32) के रूप में हुई है। दोनों थाना सादाबाद के गांव गोविंदपुर के रहने वाले थे। वे रात 11 बजे आगरा से अपने गांव लौट रहे थे। अवधेश आगरा में एक इलेक्ट्रिकल्स की दुकान में काम करता था। मुकुट पहली बार उसी दुकान पर काम करने गया था। हादसे के समय बाइक मुकुट चला रहा था। अलीगढ़ की तरफ से आ रही टूरिस्ट बस ने बेकाबू होकर उन्हें टक्कर मार दी। बाइक बस के नीचे फंस गई। चालक बाइक को लगभग 500 मीटर तक घसीटता रहा। थाना प्रभारी खंदौली राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है। बस चालक को हिरासत में लिया गया है। बस अलीगढ़ से आगरा जा रही थी। दोनों युवकों की शादी 6 साल पहले हुई थी। अवधेश के दो बच्चे हैं - एक 2 महीने का और दूसरा 5 साल का। मुकुट के भी दो बच्चे हैं। इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है।

राजगढ़ : जिले के 25 गांवों में एक साथ श्रमदान, जल संरचनाओं के जीर्णोद्वार में कलेक्टर भी जुटे

राजगढ़। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रविवार को जिले के 25 ग्रामों में एक साथ जल संरचनाओं का जीर्णोद्वार किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बारिश से पहले जल स्त्रोतों को तैयार कर वर्षा जल को संरक्षित करना है।

जिला कलेक्टर डॉ.गिरीशकुमार मिश्रा के नेतृत्व में यह अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिला स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर श्रमदान किया। इस दौरान जल सरंचनाओं की सफाई और मरम्मत का कार्य किया गया। अभियान में मेहराजपुरा, बटेरिया, दोगड़ा, पड़लिया, चिबड़िया, चाठा, रावतपुरा, डोबी, डालपुरा, धामनिया, नारायणघाटा सहित 25 ग्रामों में एक साथ श्रमदान किया गया। इन ग्रामों में तालाब, कुएं, बावड़ियां और परकोलेशन टेंक की साफ-सफाई की गई साथ ही आवश्यकतानुसार मरम्मत की गई। इस पहल से जलस्त्रोतों की क्षमता बढ़ेगी, ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ेगी, इस सामूहिक प्रयास से जल संकट जैसी गंभीर समस्याओं का समाधान संभव होगा।

उमरिया में एक तेज रफ्तार बस ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर, हादसे में सैलून मालिक की मौत

उमरिया। उमरिया जिले के नौरोजाबाद नगर में हनुमान टेक के पास रविवार सुबह बस और स्कूटी में आमने सामने की भिंड़त हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी चालक बस के बोनट की ठोकर से गंभीर रूप से घायल हो गया और स्कूटी बस के सामने टायर की चपेट में आ गई। घटना के बाद घायल स्कूटी चालक ने अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। घटना के बाद डायल 100 पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार घटना नौरौजाबाद थाना क्षेत्र के जीएम कॉम्प्लेक्स के पास की है। मृतक संतोष सेन 50 निवासी दैगंवा नौरोजाबाद स्कूटी क्रमांक एमपी 52 एस 0923 पर सवार होकर हनुमान टेक के पास पहुंचा था।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक रामविलास शर्मा द्वारा चम्बल प्रिंटिंग प्रेस इण्डस्ट्रीज एरिया बानमोर से मुद्रित व एस 12 द्वितीय तल रायल प्लाजा पुराने हाईकोर्ट के सामने ग्वालियर से प्रकाशित । प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मोबा.- 9329077393
email-chambalsurkhi@yahoo.com आर.एन.आई. पंजीयन नं MPHIN/2007/20705 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना रहेगा। कानूनी सलाहकार युवराज कुलश्रेष्ठ एडवोकेट मो.9229842150 फोन- (07532)- 225779,9827679954